सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 231 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 4 जून 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

इंडी गठबंधन की सीटों ने चौंकाया, यूपी-बंगाल-राजस्थान समेत कई राज्यों में एनडीए को भारी नुकसान

तीसरी बार मोदी सरकार

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के नतीजों ने भाजपा और उसके गठबंधन को बुरी तरह चौंकाया है। भले ही दोपहर तक के रूझानों में एनडीए गठबंधन की सरकार बनती दिख रही है और नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रही है, लेकिन इंडी गठबंधन को मिलने वाली सीटों में अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी में विपक्ष में भी प्राण फूंकने का काम किया है। एक्जिट पोल के नतीजे गलत साबित हुए हैं और भाजपा के साथ ही गठबंधन की सीटें कम होती दिख रही है। 2019 के चुनाव में भाजपा को कुल 303 सीटें मिली थी, जबकि एनडीए गठबंधन को 351 सीटें हासिल हुई थी। इस बार भाजपा को करीब 60 सीटों का नुकसान होता दिख रही है, वहीं एनडीए गठबंधन 300 सीटों के आसपास सिमटता नजर आ रहा है। एनडीए को सबसे बड़ा झटका उत्तर प्रदेश में लगा है, जहां समाजवादी पार्टी सबसे ज्यादा सीटें जीतती दिख रही है। यूपी के अलावा पश्चिम बंगाल, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब और बिहार जैसे राज्यों में भी भाजपा गठबंधन को अपेक्षानुरूप सीटें नहीं मिली। गुजरात, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे उसके परंपरागत किले जरूर कायम रहे। भाजपा को इन राज्यों में विपक्षी दल को हल्के लेना में भारी पड़ गया।

पश्चिम बंगाल के रूझान भाजपा को निराश करने वाले रहे। इन रूझानों में भाजपा को तगड़ा झटका लगता दिखा। 42 लोकसभा सीटों वाले इस राज्य में टीएमसी 29 सीटों के साथ बढ़त मिली। जबकि भाजपा को महज 10 सीट और कांग्रेस को दो सीट मिलती दिखी। लोकसभा चुनाव के दौरान पीएम मोदी समेत बीजेपी के कई दिग्गज नेताओं ने इस राज्य में खूब रैलियां की थी। हालांकि दोपहर तक के रुझानों में इन रैलियों का असर नहीं दिखा। भाजपा को यहां करीब 10 सीट मिलती दिख रही हैं। बता दें कि दो दिन पहले आए एग्जिट पोल भी इन रुझानों से बिल्कुल जुदा हैं। एग्जिट पोल में बीजेपी को राज्य में 28 से 31 सीटें मिलती दिख रही थीं। वहीं टीएमसी 11–14 सीटें मिली थी। पीएम मोदी व गृहमंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल से बेहतर नतीजों की उम्मीद जाहिर की थी, लेकिन भाजपा को यहां बड़ा नुकसान हुआ है।

छत्तीसगढ़ में भाजपा को 10 सीटों पर बढ़त

महाराष्ट्र में भाजपा 12 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। वहीं, कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव) को 10–10 सीटें मिलती नजर आ रही है। शिवसेना (शिंदे) के खाते में छह जबकि शरद पवार गुट की एनसीपी को 8 सीटें मिलती दिख रही हैं। अजित पवार की एनसीपी सिर्फ एक सीट पर आगे थी। असम में बीजेपी की नौ और कांग्रेस की नौ सीटों पर बढ़त है। 2019 के लोकसभा चुनावों में भी बीजेपी के नौ और कांग्रेस के पांच सांसद चुने गए थे। वहीं, तमिलनाडु से इस बार बीजेपी ने बड़ी आस लगा रखी थी, लेकिन वहां पार्टी को कोई सफलता मिलती नहीं दिखी। हालांकि, बीजेपी वहां छह सीटों पर दूसरे नंबर की पार्टी बन सकती है। इन सीटों पर बीजेपी प्रत्याशी दोपहर तक की गणना में दूसरे नंबर पर थे। सत्ताधारी डीएमके फिर से बाहुबली बनकर उभरी। उसे 21 सीटों पर बढ़त मिली। वहीं, सहयोगी कांग्रेस के खाते में 8 सीटें जा सकती है। केरल में बीजेपी का पहली बार खाता खुलता दिख रहा है। तिरुअनंतपुरम और त्रिशूर में बीजेपी कैंडिडेट अपने-अपने प्रतिस्पर्धियों से आगे थे। तिरुअनंतपुरम से केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस कैंडिडेट शशि थरूर से 24 हजार से ज्यादा वोटों से आगे रहे। वहीं, त्रिशूर में बीजेपी प्रत्याशी सुरेश गोपी अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सीपीएम कैंडिडेट वीएस सुनील कुमार से आगे थे। तेलंगाना में बीजेपी और कांग्रेस के खाते में 8–8 सीटें जबकि हैदराबाद की सीट एआईएमआईएम के खाते में जाती दिख रही है। तेलंगाना में लोकसभा की कुल 17 सीटें हैं।

एक्जिट पोल के अनुमानों के मुताबिक छत्तीसगढ़ में भाजपा को 10 सीटों पर लगातार बढ़त मिले हुए है। सिर्फ इकलौती कोरबा सीट पर भाजपा की प्रत्याशी दोपहर तक की गिनती में पीछे थीं। सबसे बड़ी लीड से रायपुर के भाजपा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल जीतते नजर आए, वहीं दुर्ग के भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल की लीड भी एक लाख से ज्यादा हो गई। कांग्रेस के कई दिग्गजों को पराजय का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि राजनांदगांव से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शुरूआती रूझानों में आगे रहने के बाद पिछड़ गए। भूपेश बघेल की सरकार में मंत्री रहे ताम्रध्वज साहू, शिवकुमार डहरिया, कवासी लखमा जैसे बड़े चेहरे भी जीत से लगातार दूर जाते दिखे। बिलासपुर में भी कांग्रेस प्रत्याशी देवेन्द्र यादव पिछड़ गए। रूझानों के मुताबिक भाजपा को राज्य से 10 सीटें मिल सकती है।

सेंसेक्स ने लगाया गोता, निफ्टी भी टूटा

चुनाव परिणामों में एनडीए के अपेक्षा से कमजोर परिणाम रहने के बाद शेयर बाजार में बड़ी गिरावट आई है। निफ्टी ने साल 2024 में अब तक हासिल अपनी पूरी बढ़त गंवा दी है। अदाणी पोर्ट्स, अदाणी एंटरप्राइजेज, ओएनजीसी, एनटीपीसी और कोल इंडिया के शेयर निफ्टी के टॉप लूजर्स हैं। शेयर बाजार में चुनाव परिणामों के दिन की अब तक की सबसे बड़ी गिरावट आई। एनडीए और इंडी गठबंधन के बीच कांटे की टक्कर के बीच सेंसेक्स पहली बार चुनाव परिणाम के दिन 6000 अंकों से अधिक फिसल गया। शेयर बाजार में चुनावी नतीजों के बीच हाहाकार दिख रहा है। दोपहर 12 बजकर 16 मिनट पर सेंसेक्स 5188.93 (6.79 फीसद) अंकों की गिरावट के साथ 71,279.85 के स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर निफ्टी 1,627.10 (6.99 फीसद) अंक फिसल कर 21,636.80 पर कारोबार करता दिखा। बीएसई पर सभी सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 36.3 लाख करोड़ रुपये घटकर 425.9 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पूर्व अब तक बाजार में लोकसभा चुनाव परिणाम के दिन इतनी बड़ी गिरावट नहीं आई थी।

गलत साबित हुए एक्जिट पोल

एनडीए गठबंधन भले ही बहुमत के आंकड़ों को पार करता दिख रहा है, लेकिन दो दिन पहले आए तमाम एक्जिट पोल इस बार पूरी तरह से गलत साबित हुए हैं। ज्यादातर एक्जिट पोल में एनडीए को 350 से 405 सीटों के बीच दिखाया गया था, जबकि दोपहर तक के रूझानों में एनडीए 300 के आंकड़ों को भी छू नहीं पाया। एनडीए गठबंधन में भी सबसे ज्यादा नुकसान भाजपा को ही हुआ है, जिसे 60 से ज्यादा सीटें इस बार गँवानी पड़ी है। वहीं इंडी गठबंधन अप्रत्याशित रूप से बेहतर प्रदर्शन करता दिख रहा है। रुझानों में सीटों के आंकड़े की बात करें तो जहां एनडीए 290–300 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है, वहीं इंडी गठबंधन 200 सीटों से ऊपर पहुंच चुका है। लोगों के बीच एग्जिट पोल के नतीजों को लेकर चर्चा शुरू हो गई है।

दरअसल, इस लोकसभा चुनाव में भाजपा ने अपने गठबंधन के लिए '400 पार' का नारा दिया था। तीन सर्वे में भाजपा+ को 400 या उससे ज्यादा सीटें मिलने का अनुमान जताया गया था। अगर एग्जिट पोल सच साबित होते तो मोदी अपनी पार्टी को लगातार तीसरी बार बहुमत दिलाने में सफल होते। हालांकि, इस बार चुनाव में जहां भाजपा की सीटें 230 से 240 के बीच सिमट रही हैं, वहीं कांग्रेस करीब 100 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। वर्ष 2019 के चुनाव में भाजपा ने 303 सीट जीती थी, जबकि राजग की संख्या 353 थी। कांग्रेस को 53 सीट और उसके सहयोगियों को 38 सीट मिली थीं। हालांकि, एग्जिट पोल आने के बाद तमाम विपक्षी दलों ने इन्हें गलत बताया। इनके आकंड़ों पर सवाल भी खड़े कर दिए।

एनडीए को तो लगभग सभी एग्जिट पोल में 350 से 400 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया था। हालांकि, रुझानों में यह आंकड़े अब तक काफी दूर हैं।

एग्जिट पोल में उत्तर प्रदेश की 80 सीटों में से एनडीए को लगभग 60 से 74 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया था। रुझानों में सपा ने भाजपा को कड़ी टक्कर दी है और 30 से ज्यादा सीटों पर बढ़त बना रखी है। वहीं, भाजपा भी 35 से ज्यादा सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। देश की राजधानी दिल्ली में लोकसभा चुनाव को लेकर एग्जिट पोल के आंकड़े काफी हद तक सही साबित हुए हैं। एग्जिट पोल में भाजपा को लगभग सभी सीटें मिलने का अनुमान जताया गया था। रुझानों में भी भाजपा दिल्ली में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभर रही है। बिहार में लोकसभा चुनाव में भाजपा+ दोपहर तक 30 से ज्यादा सीटों पर आगे थी। इस लिहाज से राज्य में एग्जिट पोल के अनुमान लगभग सही साबित हुए हैं। मध्य प्रदेश में भी एग्जिट पोल के आंकड़े काफी हद तक सही साबित हुए हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में भी एक्जिट पोल सही साबित हुए हैं। राजस्थान में एग्जिट पोल के अनुमानों के उलट भाजपा को नुकसान हुआ है। जहां एग्जिट पोल में पार्टी को 23 सीटों तक मिलने का अनुमान जताया गया था, वहीं कांग्रेस को शून्य सीटों का अनुमान भी था। हालांकि, कांग्रेस को राज्य में फायदा हुआ है। पंजाब में एग्जिट पोल के अनुमान काफी हद तक सही रहे हैं। इनमें कांग्रेस को ज्यादातर सीटें जीतने का अनुमान था। वहीं, आप को नुकसान होने की बात कही गई थी। रुझानों में यह बात सामने आई है।

सोए हुए मजूदर के मुंह पर किया पेशाब

श्रीकंचनपथ

यह कैसी मानसिकता है जो गरीब इंसान को जानवरों से भी तुच्छ समझती है। इधर कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर लगातार ऐसे रील्स और शार्ट्स आ रहे हैं जिसमें कुछ पैसे वाले लोग गरीबों का मजाक बनाते दिखाई दे रहे हैं। वे गरीबों को उनकी गरीबी के लिए जलील करते हैं। पर ये स्क्रिप्टेड स्टोरी होती है जिसमें अंत-पंत पीड़ित कोई बड़ा आईएएस या किसी कंपनी का मालिक निकल आता है। मजाक उड़ाने वालों को सबक मिल जाता है और वो शर्मिंदा हो जाते हैं। पर हकीकत इससे काफी अलग है। एक ऐसी ही घटना तहजीब के शहर लखनऊ से आई है। यहां एक युवक ने सो रहे मजदूर को जगाने के लिए उसके मुंह पर पेशाब कर दिया। जब मजदूर ने इसका विरोध किया तो उसकी पिटाई भी कर दी गई। युवक ने इस घटना का वीडियो भी बनाया और उसे वायरल भी कर दिया। मजदूर की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। एक ऐसी ही घटना पिछले साल मध्यप्रदेश के सीधी जिले से सामने आई थी। वहां नशे में धुत्त एक राष्ट्रीय पार्टी के नेता ने सीढ़ियों पर बैठे एक आदिवासी युवक पर पेशाब कर दिया था। अपनी पार्टी के नेता की इस हरकत के लिए मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी और फिर आरोपी के घर पर बुलडोजर भी चलवा दिया। ऐसी ही एक घटना उत्तर प्रदेश के सोनभद्र से सामने आई थी जिसमें एक व्यक्ति ने शराब पीने के बाद पहले अपने दोस्त की पिटाई कर दी और फिर उसके कान में पेशाब कर दिया। दरअसल, यह वर्ण व्यवस्था का ही एक विकृत रूप है जिसमें कुछ लोग इस ऐंठन में रहते हैं कि वे मानव श्रेष्ठ हैं। उन्हें लगता है कि अपनी इन ऊलजलूल हरकतों से वो गरीब, विशेषकर नीची जाति के लोगों को उनकी जगह दिखा रहे होते हैं। दरअसल, यही वह मानसिकता है जिसे समय-समय पर न केवल समाजसुधारकों ने, बल्कि सरकारों ने भी तोड़ने की कोशिशें की हैं। समाज सुधार की इन कोशिशों को ब्रिटिश कालीन भारत में भी नकारने की कोशिशें हुई हैं और आजाद भारत का संविधान भी ऐसी हरकतों के खिलाफ मुखर है। अब तक तो कई पीढ़ियां बदल गईं पर लगता है कि यह दोष अब भी उनकी डीएनए से गया नहीं है। ऐसी घटनाओं पर सर्वाधिक मुखर तो स्वयं हिन्दू समाज के पैरोकारों और सनातन को श्रेष्ठ बताने वालों को होना चाहिए। पर आश्चर्य कि वो खामोश हैं। क्या उनके मौन को ऐसी घटनाओं का समर्थन मान लिया जाए? यदि ऐसा ही है तो जो लोग हिन्दुओं को एकजुट करने का सपना देख रहे हैं, उन्हें सतर्क हो जाना चाहिए। जड़ें कमजोर होती हैं तो पेड़ों के गिरने का कारण बन जाती हैं। नींव खोखली हो जाए तो अट्टालिकाएं भी ध्वस्त हो जाती हैं। क्या फायदा शिक्षा के इतने प्रचार प्रसार का। ऐसे लोगों का हुक्कापानी बंद होना चाहिए।

संपादकीय

शेयर बाजार में तेजी

एग्जिट पोल के नतीजों के बाद जब सोमवार को भारतीय शेयर बाजार खुले, तो सूचकांक तेजी से चढ़ने लगा। बीएसई जहां 2,000 से भी ज्यादा अंकों तक उछला, तो निफ्टी में भी लगभग उतनी ही बढ़त देखी गई। एक दिन में देश के दोनों शेयर बाजार के सूचकांक का तीन-तीन प्रतिशत से ज्यादा बढ़ना बहुत मायने रखता है। पहली संभावना यही है कि बाजार में एग्जिट पोल के नतीजों के बाद केंद्र सरकार की स्थिरता को बल मिला है, जिससे निवेशकों का मनोबल बढ़ा है।

> विपक्षी दल चूंकि आर्थिक रूप से बड़े परिवर्तन के साथ सत्ता संभालने के इच्छुक हैं, इसलिए निवेशकों में आशंका है। ऐसे में, भाजपा के पक्ष में परिणाम आते देखे, निवेशकों का उत्साह बढ़ा हो, तो अचरज की बात नहीं। बाजार को यथास्थिति या फिर आर्थिक संबल-सहयोग की जरूरत होती है। यह माना जाता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के समय हर प्रकार के निवेशकों को बल मिला है, इसी का परिणाम है कि साल 2014 में बीएसई 25,000 अंकों से ज्यादा पर था और अब 76,400 अंकों से ज्यादा पर पहुंच गया है। यह वृद्धि गौरवान्वित करती है। यह संकेत करती है कि भारत में आर्थिक निवेश बढ़ रहा है।

विगत दस वर्षों में सूचकांक में तीन गुना से भी ज्यादा वृद्धि हुई है। वैसे मनमोहन सिंह सरकार के दस वर्षों में भी शेयर बाजार में लगभग तीन गुना वृद्धि हुई थी। मंदी का बुरा दौर मनमोहन सिंह की सरकार ने भी देखा और नोटबंदी व लॉकडाउन का नुकसान नरेंद्र मोदी सरकार को भी बहुत हुआ है। तमाम चुनौतियों के बावजूद बुनियादी रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था में भारी मांग है और इसी वजह से अर्थव्यवस्था सही तरीके से संचालित हो रही है। चूंकि भारत स्वयं ही एक बढ़ता हुआ बड़ा बाजार है, इसलिए यहां शेयर बाजार में तेजी का बने रहना बहुत चौंकाता नहीं है। दूसरी ओर, केवल एग्जिट पोल की वजह से नहीं, बल्कि व्यापकता में भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रति सकारात्मक भाव के चलते यह वृद्धि हो रही है। निवेशक एग्जिट पोल के बाद दो दिन इंतजार भी कर सकते थे, नतीजे आने के बाद निवेश ज्यादा आश्वस्तकारी होता, लेकिन ऐसा लगता है कि बहुत से निवेशकों को धन कमा लेने की जल्दी है। ऐसे में, बड़े निवेश सलाहकार यही सलाह देते हैं कि छोटे निवेशकों को निवेश के लिए कुछ इंतजार करना चाहिए। तीन प्रतिशत से ज्यादा की लगभग ऐतिहासिक छलांग में निवेश के कुशल खिलाड़ी ही भाग लें, तो ज्यादा बेहतर है। ऐसा लगता भी है कि सोमवार की बड़ी छलांग के पीछे कुशल खिलाड़ी ही ज्यादा सक्रिय रहे हैं।

आने वाले दिन शेयर बाजार के लिए बहुत अहम होंगे। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक 5 से 7 जून को होने वाली है। ज्यादा संभावना यही है कि रिजर्व बैंक रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं करेगा। रिजर्व बैंक के अनुसार, अर्थव्यवस्था अभी ठीक स्थिति में है, अत: किसी तरह का मौद्रिक जोखिम उठाना ठीक नहीं होगा। रिजर्व बैंक आज मजबूत स्थिति में है और उसने केंद्र सरकार को भी धन दिया है। रिजर्व बैंक भारतीय रुपये का समर्थन करने के लिए तरलता का ध्यान रखेगा। चुनाव खत्म होने के साथ ही तरलता की कमी दूर हो सकती है, आने वाले महीनों में सरकारी खर्च में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। सरकारी खर्च जब बढ़ेगा, तो फिर शेयर बाजार को संबल मिलेगा। कुल मिलाकर, इस वर्ष शेयर बाजार की बढ़त-चमक बनी रहेगी।

अच्छी बात है खुद को जनता का सेवक समझना

सुनील दास

चुनाव जीतने के बाद जब पार्टी की सरकार बन जाती है। कई लोगों को सत्ता में हिस्सेदारी मिल जाती है। कोई सीएम बनता है, कोई डिप्टी सीएम बनता है, कोई मंत्री बनता है। कई लोगों को ऊंचे पद मिल जाते हैं। पद के साथ जिम्मेदारी बढ़ जाती है, सुरक्षा व्यवस्था बढ़ जाती है, आसपास लोगों को बड़ी भीड़ रहती है, हर कोई मिलना चाहता है, कुछ कहना चाहता है कोई कुछ काम कराना चाहता है। इससे स्वाभाविक है कि ज्यादातर लोगों को यह वहम हो जाता है कि वह पहले खास नहीं था, अब पद मिलने से खास हो गया है, बड़े काम का आदमी हो गया है। जैसे ही किसी में यह भाव आ जाता है कि अब मैं कुछ खास हो गया हूं, सबके काम का हो गया हूं। उसमें अहंकार आ जाता है। पद के साथ अहंकार आ ही जाता है। मैं अब खास हो गया हूं यह आदमी का अहंकार ही तो है। सबके काम का हो गया हूं यह अहंकार ही तो है। पद के साथ यह अहंकार कब आ जाता है बहुत से नेताओं को तो पता ही नहीं चलता है। बहुत कम ऐसे भीतर से सजग नेता होते हैं जो जानते हैं कि पद मिलते ही आदमी में अहंकार आ जाता है तो वह एक काम करते हैं। वह निरंतर खुद को याद दिलाते रहते हैं कि वह शासक नहीं सेवक है,उनको जो पद जनता व पार्टी ने दिया है वह शासन करने के लिए नहीं बल्कि सेवा करने के लिए दिया गया है। पद मिलते ही खुद को बड़ा नहीं समझना है बल्कि खुद को सबसे छोटा समझना है। यही वजह है कि पीएम मोदी खुद को जनता का प्रधान सेवक कहते हैं। यह उनका तरीका है खुद को छोटा समझने का। अहंकार आदमी को हमेशा बड़ा समझने के लिए उकसाता रहता है। आसपास की भारी भीड़, रोज हजारों लोगों के जयजयकार के बीच खुद को छोटा वही समझता है और जनता के सामने सिर झुकाता रहता है जो अहंकार की माया को समझता है। पीएम मोदी जनता को सिर झुकाकर प्रणाम करते हैं तो यह उनका अहंकार से बचने का अभ्यास होता है। वह किसी बुजुर्ग के प्रणाम के जवाब में खुद उनको प्रणाम करते है तो यह भी उनका अहंकार से बचने का अभ्यास है। वह संसदभवन बनाने वाले मजदूरों का सम्मान करतेहैं, राम मंदिर बनाने वाले मजदूरों पर फूलों की वर्षा करते हैं तो यह उनका मजदूरों को बड़ा बताकर खुद को छोटा बताने का अभ्यास होता है।

ऐसा नहीं है कि पीएम मोदी सबके सामने झुक जाते है जहां भ्रष्टाचार व देश हित की बात आती है तो पीएम मोदी नहीं झुकते हैं, भले ही भ्रष्टाचार करने वाला कितना ही बड़ा क्यों न हो। इसी तरह जब देश हित की बात आता है तो पीएम मोदी कितना भी बड़ा देश क्यों न हो, उसके सामने झुकने से मना कर देते हैं और करते वही है जो देशहित में होता है। पीएम मोदी देस की 140 करोड़ जनता के सामने झुकते हैं, उसे ईश्वर का एक रूप मानते हैं तो उसी 140 करोड़ जनता के लिए वह किसी देश के सामने झुकने से मना कर देते हैं। वह मानते हैं कि 140 करोड़ जनता उनके साथ है तो वह किसी के सामने छोटे कैसे हो सकते हैं। पीएम मोदी की तरह राज्य के सीएम साय खुद को जनता के सेवक समझना चाहते है और जनता से अपेक्षा करते है कि वह उनको राज्य का सीएम नहीं जनता के सेवक समझे। यह बहुत ही अच्छी बात है। इससे वह पद के अहंकार से बचे रहेंगे और जनता से सहज मिल सकेंगे, जनता उनसे सहज मिल सकेगी। जब तक जनता के लिए सीएम सहज उपलब्ध नहीं होता है तो जनता व सीएम के बीच दूरी बनी रहती है। इसलिए सीएम साय की रोज कोशिश होनी चाहिए कि वह जनता के बीच जाएं , उनसे बात करें, जनता की बात सुनें। इससे सही मायने में जनता उनको अपना सेवक समझ सकेगी। खुलकर बात कर सकेगी। अपनी समस्या बता सकेगी। इसके अलावा सीएम साय को सीएम आवास को भी जनता के लिए खोल देना चाहिए। समय समय पर उनको जनता के घर जाना चाहिए, उसके यहां खाना खाना चाहिए, और जनता को भी अपने घर खाने के लिए बुलाना चाहिए। सीएम जनता के घर जाते है, तो जनता बहुत खुश होती है, वही सीएम जनता को अपने घर बुलाते हैं तो जनता और ज्यादा खुश होती है। सीएम को छत्तीसगढ़ के त्यौहार के समय सीएम हाउस को जनता के लिए खोल देना चाहिए। सीएम को राज्य के तीज त्यौहार जनता के बीच मनाना चाहिए। इससे भी जनता व सीएम के संबंध सहज व सामान्य हो सकेंगे। इससे लोग सीएम को अपना सेवक की जगह घर का मुखिया समझेंगे। सीएम साय को जहां जरूरत है, जनता का सेवक होना चाहिए तथा जहां जरूरत है कि मुखिया होने की तो वहां मुखिया होना चाहिए। जहां जनता के सामने झुकने की जरूरत है वहां सीएम को जरूर झुकना चाहिए तथा जहां जनता के लिए तनकर खड़े होने की जरूरत है, वहीं तनकर खड़ा रहना चाहिए।

(ये लेखक के विचार हैं)

नजरिया

नई पीढ़ी को ही करना होगा विश्व पर्यावरण का उद्धार

मार्च में बेंगलुरु महानगर में 500 वर्ष में पहली बार पानी के लिए हेल्पलाइन खोलनी पड़ी। कई लोगों ने पानी की समस्या के चलते कुछ दिनों के लिए शहर छोड़ दिया। जल के लिए तरसते शहरों में बेंगलुरु कोई अकेला नहीं है।

अनिता भटनागर जैन,
पूर्व आईएएस अधिकारी

यह एक चुभने वाला तथ्य है कि अप्रैल 2024 में भारत के 22 राज्यों में 150 मुख्य वाटर रिजरवॉयर या जलाशयों में एक-तिहाई से कम पानी बचा था। यह भी चुभने वाला तथ्य है कि मई 2024 में अनेक राज्यों में तापमान 48 से 50 डिग्री सेल्सियस से भी अधिक रहा। जब जल जैसे प्राकृतिक संसाधन का अभाव होने लगे, जब मौसम प्रतिकूल हो, तब पर्यावरण की चिंता बढ़ जाती है। कोई आश्चर्य नहीं कि इस बार पर्यावरण दिवस का विषय है, भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखे की स्थिति में बदलाव। ये तीनों मुद्दे परस्पर जुड़े हैं और इस बार का नारा है - हमारी भूमि, हमारा भविष्य, हम हैं उद्धार करने वाली पीढ़ी।

गौर करने की बात है कि पृथ्वी की 75 प्रतिशत से अधिक भूमि का क्षरण हो चुका है। भारत में भी 30 प्रतिशत से अधिक भूमि में उत्पादकता समाप्त हो चुकी है और 25 प्रतिशत कुल भूमि मरुस्थलीकरण श्रेणी में है। विश्व में सूखा पड़ने की संख्या और अवधि में 29 प्रतिशत वृद्धि हुई है और यदि युद्ध-स्तर से रोकथाम नहीं की गई, तो 2050 तक दुनिया की 75 प्रतिशत से अधिक आबादी सूखाग्रस्त हो जाएगी। आज मनुष्य, पशु-पक्षी, पेड़-पौधों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव पता चल रहा है। जलवायु परिवर्तन से इस बार जनवरी में गुलमर्ग की पहाड़ियों पर बर्फ नहीं गिरी, जिससे न केवल पर्यटन पर प्रभाव पड़ा, नदियों में पानी कम होने के कारण पीने व सिंचाई हेतु जल का अभाव हो गया।

आज गंगा जैसी नदी भी मुश्किल में है। उत्तर प्रदेश में प्रवेश करते समय गंगा में 70 प्रतिशत पानी हिमालय के झरनों और छोटी नदियों से आता था। हिमालय के 30 लाख झरनों में से 50 प्रतिशत सूख चुके हैं। 2030 तक देश में भूगर्भ जल 409 मीटर गिरने का अनुमान है और इससे भूजल में रासायनिक जहर की वृद्धि होगी। भूमि क्षरण के कारण सूखा बढ़ रहा है और वर्ष 2030 तक भूख को समाप्त करने के लक्ष्य की प्राप्ति अब संभव प्रतीत नहीं होती है। 2023 में 28.20 करोड़ लोग तीव्र भूख से ग्रसित रहे। भारत में वर्ष 2022 में गरम हवाओं या लू की वजह से गेहूं की फसल में 35 प्रतिशत गिरावट आई। अब खामोश सूखा भी पाया जाता है यानी भूमि की उपजाऊ क्षमता में कमी होने से धान और गेहूं की गुणवत्ता 45 प्रतिशत कम हो गई है। इनमें जिंक व आयरन जैसे आवश्यक तत्वों में भी 33-27 प्रतिशत तक गिरावट आई है। जब भोजन में उपयुक्त पौष्टिकता नहीं रह जाएगी, तब शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाएगी और लोग बार-बार बीमार पड़ेंगे और इससे भी देश की उत्पादकता व आर्थिक स्थिति पर प्रभाव पड़ेगा।

ध्यान रहे, भूमि क्षरण का संबंध केवल मनुष्यों से नहीं है, भूमि पर केवल हम ही नहीं, 60 प्रतिशत जीव भी उसी में रहते हैं। 95 प्रतिशत भोजन जो हम खाते हैं, वह भूमि से ही उत्पादित होता है। स्वस्थ भूमि कार्बन डाइऑक्साइड को भी जज्ब करती है। 75 प्रतिशत प्रतिशत फल और बीज परागीकरण के लिए मधुमक्खियों आदि पर निर्भर हैं। भूमि पर निर्भर ये सभी जीव जलवायु परिवर्तन, खेती में रासायनिक खाद व कीटनाशकों के उपयोग से खत्म हो रहे हैं। जैव विविधता प्रभावित हो रही है। खेतों में या भूमि पर कीटाणु न मिलने के कारण पक्षियों को भोजन नहीं मिल पा रहा है और तालाबों के सूखने से पक्षियों के रहने के स्थान भी समाप्त होते जा रहे हैं। यह खतरा अनुमानित है कि वर्ष 2050 तक समुद्र में मछलियां नहीं रह जाएंगी।

सबसे पहले शहर में रहने वालों को सचेत होना पड़ेगा। विश्व की आधी आबादी अब शहरों में रहती है और 2050 तक यह 66 प्रतिशत हो जाएगी। शहरी क्षेत्र पृथ्वी के 75 प्रतिशत संसाधनों का उपयोग कर रहे हैं और 50 प्रतिशत से अधिक कूड़ा व 68 प्रतिशत से अधिक ग्रीनहाउस गैस उत्पादित कर रहे हैं। शहरों के बढ़ने के साथ आसपास की प्राकृतिक दुनिया समाप्त होती जा रही है, जीवन बचाने के लिए सजग होने के अलावा कोई रास्ता नहीं है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

पकृति एवं पर्यावरण में जहर घोलने से बढ़ी जानलेवा गर्मी

ललित गर्ग

लोकसभा चुनाव के प्रचार की गर्मी भले ही समाप्त हो गयी हो लेकिन प्रकृति से जुड़ी गर्मी सौ-डेढ़ सौ वर्षों का रिकार्ड तोड़ते हुए कहर बरपा रही है। दिल्ली का पारा 50 डिग्री से तो ज्यादा ही रहा है। देश के 17 से अधिक शहरों में तापमान उच्चतम स्तर पर चल रहा है। यह एक तरह का प्राकृतिक आपातकाल है। हीटवेव या यों कहें कि लू के थपेड़ों ने जनजीवन को मौत के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। लू या हीटवेव या तापघात के कारण देश के विभिन्न हिस्सों में मौत के समाचार भी आ रहे हैं। तस्वीर का एक पहलू यह है कि अभी तक सही मायने में हमारे देश में हीटवेव को डिजास्टर मैंनेजमेंट में पूरी तरह से शामिल नहीं किया गया है। वैज्ञानिक बता रहे हैं कि शहरों में हीट आइलैंड बन रहे हैं, जिसके लिए मुख्य रूप से सीमेंट-तारकोल और कृत्रिम वातानुकूलित (एसीवाली) जीवनशैली जिम्मेदार है। कंक्रीट और तारकोल के जंगलों का विस्तार करने को जब तक हम अपनी जरूरत समझते रहेंगे तब तक हरे-भरे जंगलों को कटने से कोई नहीं रोक सकेगा। दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर देश जब तक जीडीपी से विकास को मापेगा, बेहिसाब औद्योगीकरण एवं शहरीकरण की होड़ रहेगी, तब तक पर्यावरण असंतुलन एवं गर्मी का प्रकोप ऐसे ही विनाश का कारण बनता रहेगा।

इस बार बढ़ती गर्मी ने सारे रेकॉर्ड तोड़ दिये हैं जो हमारे लिए चौंकाने से ज्यादा गंभीर चिंता की बात है। राजधानी दिल्ली के एक इलाके में अधिकतम पारा 52.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो देश के इतिहास का सबसे ज्यादा तापमान है। राजस्थान के चुरु और फ्लोदी आदि का पारा तो 50 के आसपास या ऊपर ही चल रहा है। जैसलमेर आदि स्थानों पर गर्मी इतने तेज है कि धरती तवे की तरह तप रही है, लोगों ने पापड़ सेक कर या आमलेट बनाते हुए दृश्य सोशल मीडिया पर दिखाये हैं। पानी की कमी, बिजली कटौती और गर्म लू के कारण बीमारी के हालात गंभीर होते जा रहे है। इतनी तेज गर्मी में पेयजल की उपलब्धता, बिजली की आपूर्ति व ट्रिपिंग की समस्या से निजात पाना मुश्किल हो रहा है। सवाल यह है कि इस भीषण लू या यों कहें कि हीटवेव के लिए बहुत कुछ हम और हमारा विकास का नजरिया भी जिम्मेदार है। आज शहरीकरण और विकास के नाम पर प्रकृति को विकृत करने में हमने कोई कमी नहीं छोड़ी है। पेड़ों की खासतौर से छायादार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई एवं गांवों में हो या शहरों में आंख मींचकर कंक्रिट के जंगल खड़े करने की होड़ के दुष्परिणाम प्रकृति एवं पर्यावरण की विकरालता के रूप में सामने हैं। जल संग्रहण के परंपरागत स्रोतों को नष्ट करने में भी हमने कोई गुरेज नहीं किया। अब विकास एवं सुविधाओं और प्रकृति के बीच सामंजस्य की और ध्यान देना होगा नहीं तो आने वाले साल और अधिक चुनौती भरे होंगे। कंक्रिट के जंगलों से लेकर हमारे दैनिक उपयोग के अधिकांश साधन एवं विकास की भ्रामक सोच तापमान को बढ़ाने वाले ही हैं।

विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग की दस्तक देने के बावजूद विकसित व संपन्न देश पर्यावरण संतुलन के प्रयास करने तथा आर्थिक सहयोग देने से बच रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मौसम की मार से कोई विकसित व संपन्न देश बचा हो, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के क्रूर दोहन से औद्योगिक लक्ष्य पूरे करने वाले ये देश अब विकासशील देशों को नसीहत दे रहे हैं। निश्चित रूप से बढ़ता तापमान उन लोगों के लिये बेहद कष्टकारी है, जो पहले ही जीवनशैली से जुड़े रोगों एवं समस्याओं से जूझ रहे हैं। जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता असाध्य रोगों की वजह से चूक रही है। ऐसा ही संकट वृद्धों के लिये भी है, जो बेहतर चिकित्सा सुविधाओं व सामाजिक सुरक्षा के अभाव में जीवनयापन कर रहे हैं। वैसे एक तथ्य यह भी है कि मौसम के चरम पर आने, यानी अब चाहे बाढ़ हो, शीत लहर हो या फिर लू हो, मरने वालों में अधिकांश गरीब व कामगार तबके के लोग ही होते हैं। जिनका जीवन गर्मी में बाहर निकले बिना या काम किये बिना चल नहीं सकता। निष्कर्षत: कह सकते हैं कि उन्हें मौसम नहीं बल्कि गरीबी मारती है। जलवायु परिवर्तन का असर अब ज्यादा स्पष्ट तौर पर दिखने लगा है। अगर गर्मी पड़ रही है तो पिछले कई दशक के रिकॉर्ड तोड़ रही है। अगर बारिश हो रही है तो कुछ घंटों में ही पूरे मॉनसून की बरसात के बराबर पानी गिर रहा है। सर्दी भी साल-दर-साल नए रिकॉर्ड बना रही है। कुल मिलाकर हर मौसम अब अप्रत्याशित क्रूरतम रुख दिखा रहा है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, अल नीनो और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन की दोहरी मार के कारण धरती के तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इससे धरती पर मौजूद सभी जीव-जंतुओं, वनस्पति और इंसानों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। अनेक लोगों की भीषण गर्मी में जान चली गयी, बिहार की स्कूली छात्राएं बड़ी संख्या में बेहोश हो गयी। इन जटिल स्थितियों को देखते हुए गर्मी के मौसम में काम के घंटों का निर्धारण एवं स्कूलों में गर्मी की छुट्टियों की अवधि मौसम की अनुकूलता के अनुरूप ही होनी चाहिए। आसन्न संकट को महसूस करते हुए दीर्घकालीन रणनीति, इस चुनौती से निपटने के लिये बनाने की जरूरत है।

दुनियाभर में अगले 20 साल के भीतर कूलिंग सिस्टम्स यानी एयरकंडीशन की मांग में कई गुना बढ़ी है। सुविधावादी जीवनशैली एवं तथाकथित आधुनिकता ने पर्यावरण के असंतुलन को बेतहाशा बढ़ाया है। तापमान में भी साल-दर-साल बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। जहां तापमान ने नए रिकॉर्ड्स बनाने शुरू कर दिए हैं वहीं, भारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात बन रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम को लेकर अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। सरकारों को नीतिगत फैसला लेकर बदलते मौसम की चुनौतियों को गंभीरता से लेना होगा। समय रहते बचाव के लिये नीतिगत फैसले नहीं लिए गए तो एक बड़ी आबादी के जीवन पर संकट मंडराएगा। यह संकट तीखी गर्मी से होने वाली बीमारियों व लू से होने वाली मौतें ही नहीं होंगी, बल्कि हमारी कृषि एवं खाद्य सुरक्षा श्रृंखला भी प्रभावित होगी। हालिया अध्ययन बता रहे हैं कि मौसमी तीव्रता से फसलों की उत्पादकता में भी कमी आई है। दरअसल, मौसम की यह तल्खी केवल भारत ही नहीं ,वैश्विक स्तर पर नजर आ रही है। एशिया के अलावा यूरोप व अमेरिकी देशों में भी तापमान में अप्रत्याशित बदलाव नजर आ रहा है।

सरकारों को मानना होगा कि वैसे तो प्रकृति किसी तरह का भेदभाव नहीं करती मगर सामाजिक असमानता के चलते वंचित समाज इसकी बड़ी कीमत चुकाता है। सरकार रेड अलर्ट व ऑरेंज अलर्ट की सूचना देकर अपने दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकती। खासकर ऐसे समय में जब हरियाणा व राजस्थान में पारा पचास पार करके गंभीर चुनौती का संकेत दे रहा है। स्कूल-कालेजों के संचालन, दोपहर की तीखी गर्मी के बीच कामगारों व बाजार के समय के निर्धारण को लेकर देश में एकरूपता का फैसला लेने की जरूरत है। कुछ जगह धारा 144 लागू की गई है, जो इस संकट का समाधान कदापि नहीं है। कभी संवेदनशील भारतीय समाज के संपन्न लोग सार्वजनिक स्थलों में प्याऊ की व्यवस्था करते थे। लेकिन आज संकट यह है कि पानी व शीतल पेय के कारोबारी मुनाफे के लिये सार्वजनिक पेयजल आपूर्ति को बाधित करने की फिराक में रहते हैं। सरकारें भी जल के नाम पर राजनीति करती है। दिल्ली के अनेक इलाकों में बढ़ती गर्मी के साथ जल आपूर्ति एक बड़ी समस्या बनी हुई है। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फवोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को पानी से बुझाना चाहते हैं। विभिन्न प्रांतों के बीच का यह विवाद आज हमारे लोकतांत्रिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर रहा है, जनजीवन से खिलवाड़ कर रहा है। जीवनदायक वस्तुएं प्रभु ने मुफ्त में दे रखी है। पानी, हवा एवं प्यार और आज वे ही विवादास्पद, दूषित और झूठी हो गयी हैं। इस तरह की तुच्छ एवं स्वार्थ की राजनीति करने वाले नेता क्या गर्मी एवं जल-समस्याओं का समाधान दे पायेंगे।

(ये लेखक के विचार हैं)

हम अर्बन हीट आइलैंड के प्रभाव में

दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई भागों में गर्मी कहर बरपाए हुए है। राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों के साथ ही उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ के अलग-अलग इलाकों में भी यही हाल है। कई राज्यों में स्कूलों में अवकाश घोषित करना पड़ा है। आगामी दिनों में भी गर्मी की तपिश और लू के थपेड़ों से राहत के आसार नहीं हैं। देश में जगह-जगह लगातार गर्मी का रिकॉर्ड टूट रहा है। मंगलवार को दिल्ली के कई इलाकों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इस बीच, दिल्ली-एनसीआर गर्मी को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है। महानगर दिल्ली में पानी की किल्लत इस कदर है कि पानी की राशनिंग करने तक की नौबत आ गई है। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने दिल्ली में पेयजल संकट का ठीकरा हरियाणा सरकार पर फोड़ते हुए चेताया है कि जरूरत पड़ी तो सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। उनका कहना है कि हरियाणा सरकार ने दिल्ली के हिस्से का पानी यमुना में छोड़ना बंद कर दिया है।

दिल्ली के नागरिकों को भी उन्होंने चेताया है कि गैर-जिम्मेदाराना तरीके से पानी का इस्तेमाल न करें। गाड़ी धोने जैसे कामों में पानी का इस्तेमाल न हो। यदि पानी का इस्तेमाल गैर-जिम्मेदाराना तरीके से होता मिला तो चालान भी किए जा सकते हैं। भीषण जल आपूर्ति का सामना कर रहे इलाकों में टैंकरों से पानी की आपूर्ति दिन में दो बार की बजाय एक बार करने की बात भी कही गई है। कई इलाकों से लोगों के गर्मी और लूट की चपेट में आकर बीमार पड़ने के मामले भी आने लगे हैं। लू की चपेट में आए लोगों को बुखार, सिरदर्द, उल्टी और बेहोशी जैसी शिकायतें हैं। हीट स्ट्रोक के साथ ही डिहाइड्रेशन की गंभीर चुनौती भी दरपेश है। इससे बच्चों को बचाए रखना बेहद जरूरी है। दिल्ली-एनसीआर में गर्मी और लू का आलम यह है कि दिन ही नहीं देर शाम तक भी लू और गर्म हवाएं लोगों को हलकान किए रहती हैं। भीषण गर्मी और लू किसी एक साल तक सीमित मौसमी घटना नहीं है। दरअसल, बढ़ते शहरीकरण के चलते हरियाली की कमी और सीधी धूप के निशाने पर आने के कारण हम 'अर्बन हीट आइलैंड' (यूएचआई) के प्रभाव में हैं, जिसके आने वाले समय में बढ़ने की ही संभावना है, कम होने की नहीं। ऐसी अति मौसमी स्थितियों में रहना हमें सीख लेना होगा।

(आरएनएस)

मानव जीवन भी संकट में होगा

पंकज चतुर्वेदी

मई 26 को असम के तिनसुकिया जिले की पाटकाई पहाड़ियों पर अवैध रूप से संचालित 'रेट होल माइंस' में दब कर तीन लोग मारे गए। विदित हो पास ही मेघालय के पूर्वी जयंतिया जिले में कोयला उत्खनन की 26 हजार से अधिक 'रेट होल माइंस' अर्थात चूहे के बिल जैसी खदानें बंद करने के लिए राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) के आदेश को दस साल हो गए हैं, लेकिन आज तक एक भी खदान बंद नहीं हुई। कुछ साल पहले सुप्रीम कोर्ट ने भी इन खतरनाक खदानों को बंद करने लेकिन पहले से निकाल लिए गए कोयले के परिवहन के आदेश दिए थे।

इस काम की निगरानी के लिए मेघालय हाई कोर्ट द्वारा नियुक्त जस्टिस बीके काटके समिति ने अपनी 22वीं अंतरिम रिपोर्ट में बताया है कि किस तरह ये खदानें अभी भी मेघों का देश कहे जाने वाले प्रदेश के परिवेश में जहर घोल रही हैं। उल्लेखनीय है कि कभी दुनिया में सबसे अधिक बरसात के लिए मशहूर मेघालय में अब प्यास ने डेरा जमा लिया है। यहां नदियां जहरीली हो रही हैं, और सांस में कार्बन घुल रहा है। यह सब हो रहा है इन खतरनाक खदानों से कोयले के अवैध, निर्बाध खनन के कारण। हाई कोर्ट की कमेटी बताती है कि अभी भी अकेले पूर्वी जयंतिया जिले की चूहा-बिल खदानों के बाहर 14 लाख मीट्रिक टन कोयला पड़ा हुआ है जिसको हटाया जाना है।

दस साल बाद भी इन खदानों को कैसे बंद किया जाए, इसकी 'विस्तृत कार्यान्वयन रिपोर्ट' अर्थात डीपीआर प्रारंभिक चरण में केंद्रीय खनन योजना एवं डिजाइन संस्थान लिमिटेड (सीएमपीडीआई) के पास लंबित है। एक बात और, 26 हजार की संख्या तो केवल एक जिले की है, ऐसी ही खदानों का विस्तार वेस्ट खासी हिल्स, साउथ वेस्ट खासी हिल्स और साउथ गारो हिल्स जिलों में भी है। इनकी कुल संख्या सात हजार से अधिक होगी। जस्टिस काटके की रिपोर्ट में कहा गया है, 'मेघालय पर्यावरण संरक्षण एवं पुनर्स्थापन निधि (एमईपीआरएफ) में 400 करोड़ रु पये की राशि बगैर इस्तेमाल पड़ी है, और इन खदानों के कारण हुए प्रकृति को नुकसान की भरपाई का कोई कदम उठाया नहीं गया।

मेघालय में प्रत्येक एक वर्ग किलोमीटर में 52 रेट होल खदान हैं। अकेले जयंतिया हिल्स पर इनकी संख्या 26 हजार से अधिक है। असल में ये खदानें दो तरह की होती हैं। पहली किस्म की खदान बमुश्किल तीन से चार फीट की होती हैं। इनमें श्रमिक रेंग कर घुसते हैं। साइड कटिंग के जरिए मजूदर को भीतर भेजा जाता है और वे तब तक भीतर जाते हैं, जब तक उन्हें कोयले की परत नहीं मिल जाती। सनद रहे मेघालय में कोयले की परत बहुत पतली हैं, कहीं-कहीं तो महज दो मीटर मोटी। इसमें अधिकांश बच्चे ही घुसते हैं।

दूसरे किस्म की खदान में आयताकार आकार में 10 से 100 वर्गमीटर माप में जमीन को काटा जाता है और फिर उसमें 400 फीट गहराई तक मजदूर जाते हैं। यहां मिलने वाले कोयले में गंधक की मात्रा ज्यादा है और इसे दोयम दर्जे का कोयला कहा जाता है। तभी यहां कोई बड़ी कंपनी खनन नहीं करती। ऐसी खदानों के मालिक राजनीतिक दलों से जुड़े हैं, और श्रमिक बांग्लादेश, नेपाल या असम से पहुंचे घुसपैठिए होते हैं।

एनजीटी की रोक के बाद मेघालय की पिछली सरकार ने स्थानीय संसाधनों पर स्थानीय आदिवासियों के अधिकार के कानून के तहत इस तरह के खनन को वैध रूप देने का प्रयास किया था लेकिन कोयला खदान (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1973 की धारा 3 के तहत कोयला खनन के अधिकार, स्वामित्व आदि हित केंद्र सरकार के पास सुरक्षित हैं। सो, राज्य सरकार अवैध खनन को वैध का अमलीजामा नहीं पहना पाई। लेकिन गैर-कानूनी खनन, भंडारण और पूरे देश में इसका परिवहन चलता रहता है।

आये रोज लोग मारे जाते हैं, कुछ जब्ती और गिरफ्तारियां होती हैं, और खेल जारी रहता हैं। रेट होल खनन न केवल अमानवीय है, बल्कि इसके चलते यहां से बहने वाली कोपिली नदी का अस्तित्व ही मिट सा गया है। एनजीटी ने अपने पाबंदी आदेश में कहा था कि खनन इलाकों के आसपास सड़कों पर कोयले का ढेर जमा करने से वायु, जल और मिट्टी के पर्यावरण पर बुरा असर पड़ रहा है। भले ही कुछ लोग इस तरह की खदानों पर पाबंदी से आदिवासी अस्मिता का मसला जोड़ते हों, लेकिन हकीकत सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत नागरिक समूह की रिपेर्ट में बताई गई थी कि अवैध खनन में प्रशासन, पुलिस और बाहर के राज्यों के धनपति नेताओं की हिस्सेदारी है, और स्थानीय आदिवासी तो केवल शेषित श्रमिक ही हैं।

सबसे ज्यादा चिंता इस बात की है कि कोयले की कालिख राज्य की जल निधियों की दुश्मन बन गई है। लुका नदी पहाड़ियों से निकलने वाली कई छोटी सरिताओं से मिल कर बनी है, इसमें लुनार नदी के मिलने के बाद इसका प्रवाह तेज होता है। इसके पानी में गंधक की उच्च मात्रा, सल्फेट, लोहा और कई अन्य जहरीली धातुओं की उच्च मात्रा और पानी में आक्सीजन की कमी पाई गई है। एक और खतरा है कि जयंतिया पहाड़ियों के गैर-कानूनी खनन से कटाव बढ़ रहा है, दलदल बढ़ने से मछलियां कम आ रही हैं। ऊपर से जब खनन का मलबा इसमें मिलता है तो जहर और गहरा जाता है। मेघालय ने गत दो दशकों में कई नदियों को नीला होते, फिर उनके जलचर मरते और आखिर में जलहीन होते देखा है।

विडंबना है कि यहां प्रदूषण नियंतण्रबोर्ड से ले कर एनजीटी तक सभी विफल हैं। दुर्भाग्य है कि अदालत की फटकार है, पर्याप्त धन है लेकिन इन खदानों से टपकने वाले तेजाब से प्रभावित हो रहे जनमानस को कोई राहत नहीं है। यह हरियाली चाट गया, जमीन बंजर कर दी, भूजल इस्तेमाल लायक नहीं रहा और बरसात में यह पानी बह कर जब पहाड़ी नदियों में जाता है तो वहां भी तबाही ला देता है। नदी में मछलियां लुप्त हैं। मेघालय पुलिस यदा कदा अवैध कोयला की ढुलाई को लेकर मुकदमे जरूर दर्ज करती है, लेकिन ये कागजी औपचारिकता से अधिक नहीं हैं। आज जयंतिया हिल्स में असम से आए रोहिंग्या श्रमिकों की बस्तियां हैं, जो सस्ते श्रम को स्वीकार कर जान दांव पर लगा अवैध खदानों से हर रोज कोयला निकालते हैं।

अभी तो मेघालय से बादलों की कृपा भी कम हो गई है, चेरापूंजी अब सर्वाधिक बारिश वाला गांव नहीं रह गया है। यदि कालिख की लोभ में नदियां भी खोदीं तो दुनिया के इस अनूठे प्राकृतिक सौंदर्य वाली धरती पर मानव जीवन भी संकट में होगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of
Musical Instrument
Sales & Repair

DURG:-
Near Tarun Adlabs
Station Road, Durg (C.G.)
Durg, Ph. 2330588, 9826660688

RAIPUR:-
Near Manju Mamta
Reaustaurant, M.G. Road
Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति
मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किश्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

नियमित दवाइयां मिलने से टीबी के मरीजों को मिल रही टीबी से निजात

रायपुर (ए.)। नई दिल्ली के सेंट्रल टी.बी. डिवीजन के द्वारा राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम चलाया जाता है, जिसके अंतर्गत टी.बी. के मरीजों को उपचार हेतु दवाईयों की आपूर्ति की जाती है। वर्तमान में छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों को एक से डेढ़ माह के लिए दवाईयों की आपूर्ति पर्याप्त मात्रा में की गई है। जिलों से मांग अनुसार दवाइयाँ राज्य ड्रग स्टोर से आपूर्ति की जा रही है। शीघ्र ही सेन्ट्रल टी.बी. डिवीजन से दवाईयों का नया स्टॉक भी प्राप्त हो जावेगा। सेन्ट्रल टी.बी. डिवीजन द्वारा राज्य व जिलों के अधिकारियों के मदद के लिए हेल्पडेस्क बनाया गया है, जिस पर जारी हेल्पलाईन नम्बर पर कॉल कर दवा से संबंधित किसी भी प्रकार की सहायता या पूछताछ प्राप्त की जा सकती है। इसके अतिरिक्त टी.बी. मरीज या आम नागरिकों को दवा या उपचार से संबंधित किसी भी प्रकार की कोई जानकारी लेनी हो तो नि:शुल्क राज्य हेल्पलाईन नंबर 104 पर सम्पर्क कर सहायता प्राप्त कर सकते है।

आईपीएस जीपी सिंह की जल्द होगी पोस्टिंग, राज्य शासन ने दी हरी झंडी

रायपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ के चर्चित आईपीएस जीपी सिंह को एक बार राज्य सरकार पोस्टिंग देने जा रही है। तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने एडीजी रैंक के आईपीएस जीपी सिंह को फोर्सली रिटायर करने की सिफारिश भारत सरकार से की थी। सर्विस रिव्यू कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर केंद्र ने जीपी सिंह को रिटायर कर दिया था। जिसके बाद जीपी सिंह ने इस तर्क के साथ कैट की शरण ली थी कि, भाजपा नेताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज ना करने पर राज्य सरकार ने बदले की भावना के तहत कार्रवाई की थी। कैट ने इस पर जीपी सिंह को चार हफ्ते के भीतर उन्हें ज्वाईन कराने का आदेश दिया था। उन्हें राज्य रिव्यू कमेटी की अनुशंसा पर भारत सरकार ने रिटायर किया था। आईपीएस अफसरों की सर्विस मैटर केंद्रीय गृह मंत्रालय में आता है। इसलिए रिटायरमेंट की कार्रवाई गृह मंत्रालय ने किया और अब फिर से पोस्टिंग भी वहीं से होगी। कैट के फैसले के बाद छत्तीसगढ़ सरकार ने आईपीएस जीपी सिंह की बहाली की अपनी तरफ से हरी झंडी दे दी है। राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ के महाधिवक्ता से इस बारे में उनकी राय मांगी थी। बताते हैं, महाधिवक्ता ने अपनी टीप में लिखा है कि, इस केस में कैट के फैसले के खिलाफ अपील करने का कोई तुक नहीं है। महाधिवक्ता की टिप्पणी के साथ राज्य सरकार ने फाइल पिछले सप्ताह भारत सरकार को भेज दिया। चूकि, आईपीएस का मसला मिनिस्ट्री ऑफ होम में आता है और इसी ने फोर्सली रिटायमेंट की कार्रवाई की थी। सो, पोस्टिंग का आदेश भी यही विभाग निकालेगा। राज्य सरकार नियमानुसार उसका पालन करेगी। हालांकि, भारत सरकार में इस पर थोड़ा वक्त लग सकता है कि केंद्र के लिए यह समय अति व्यस्तता वाला है। 4 जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे के बाद 15 दिन चीजें व्यवस्थित होने में लगेगी। फिर भी यह माना जा रहा कि जून में जीपी सिंह की पुलिस महकमे में वापसी हो जाएगी। हालांकि, पुलिस महकमे में लोग एक कदम आगे जाकर जीपी की पोस्टिंग पर अटकलें शुरू हो गई हैं।

माओवाद की काली छाया से मुक्ति चाहता है बस्तर-डिप्टी सीएम

आज सिर्फ केदार नहीं रोये, पूरा बस्तर रो रहा है- विजय शर्मा

जगदलपुर (ए.)। हो गई है पीर पर्वत सी पिघलनी चाहिए, अब हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए। दुष्यंत कुमार की इन पंक्तियों को बस्तर के लिए सामयिक बताते हुए डिप्टी सीएम व गृह मंत्री विजय शर्मा ने बस्तर के लोगों विशेषकर युवाओं से आह्वान किया कि जवानी क्रांति के लिए होती है। बस्तर के नौजवान, स्कूल कॉलेज के स्टूडेंट्स बस्तर को बचाक्षलें।

उप-मुख्यमंत्री बस्तर शांति समिति द्वारा जगदलपुर के श्यामा प्रसाद मुखर्जी टाउन हॉल में आयोजित लोकतंत्र बनाम माओवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप बोल रहे थे। अध्यक्षीय उद्बोधन देते समय वन मंत्री केदार कश्यप भावुक हो गए थे। जिसका उल्लेख करते हुए शर्मा ने कहा कि आज सिर्फ केदार नहीं रोये, पूरा बस्तर रो रहा है। बस्तर नक्सलवाद की काली छाया से अब मुक्ति चाहता है। नई क्रांति चाहता है। बहुत स्पष्टता से बस्तर कह रहा कि गनतंत्र नहीं, जनतंत्र चाहिए, बुलेट नहीं, बैलेट चाहिए। यहां के हमारे युवा साथियों से अपील है कि आप इसमें अपना योगदान करें। आप सोशल मीडिया के माध्यम से भी सीमा पर तैनात एक सैनिक की तरह अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। गृह मंत्री ने सवाल उठाया कि बस्तर के जंगलों में बंदूक पकड़कर क्यों घूमा जा रहा है उन्होंने कहा कि, मैं नौजवानों से यह जानना चाहता हूं कि बस्तर के गांवों में सड़क, पानी, बिजली, स्कूल, अस्पताल, आंगनबाड़ी, मोबाइल टॉवर नहीं होना चाहिए क्या। क्यों सड़क, पुल पुलिया बनाने से रोक दिया जाता है कहते हैं यहां से खोदाई कर खनिज ले जाएंगे। अभी खुदाई नहीं हो रही है क्या जहां खनिज है वहां खोदाई होगी और प्रधानमंत्री मोदी जी ने डीएमएफ बना दिया है। खोदाई होगी उसका पैसा यहीं इन्वेस्ट होगा, उसे कोई नहीं ले जा सकेगा। कॉरपोरेट कॉरपोरेट किया जाता है। चीन में कॉरपोरेट नहीं हैं क्या यहां तो कोई इंडस्ट्री लगती है तो पहले जन सुनवाई होती है, और गांव वालों ने पसंद नहीं किया तो कितनी ही इंडस्ट्री वापस चली गई। यहां सुनवाई का अवसर है। जहां माओवाद है वहां सुनवाई का कोई अवसर नहीं होता। यहां मजदूर मजदूरी के लिए आंदोलन कर सकते हैं, यहां लोकतंत्र है। क्या चीन में कोई आंदोलन हो सकता है। 1989 में वहां के छात्रों ने लोकतंत्र के लिए आवाज उठाई थी। बीजिंग का थ्येन आनमन चौक पर एकत्र होकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करते हुए लोकतंत्र की मांग कर रहे छात्रों और नागरिकों पर 4 जून 1989 को चीनी सैनिकों ने क्रूरतापूर्वक गोलीबारी की थी। यहां लोकतंत्र है, स्वतंत्रता है। पहले राष्ट्र को खंडित करने वाली बात बोल सकते थे। राजा या नेता के खिलाफ नहीं। अब किसी भी नेता के खिलाफ तो बोल सकते हैं, लेकिन कोई भी व्यक्ति राष्ट्र को खंडित करने वाली बात करेगा तो नहीं सुना जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का संकल्प है कि 3 साल में यहां से नक्सलवाद समाप्त कर देंगे। विष्णुदेव सरकार भी इस दिशा में तेजी से काम कर रही है। सरकार ऑपरेशन नहीं चाहती, बातचीत से मसला हल करना चाहती है, क्योंकि जो भटके हुए लोग हैं उनमें 75 प्रतिशत से छत्तीसगढ़ के स्थानीय हैं, हमारे अपने हैं। लेकिन नहीं माने तो सख्ती होगी।

नक्सलवाद पर बोलते हुए भावुक हुए केदार कश्यप

अपना अध्यक्षीय उद्बोधन करते समय कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद बस्तर के लिए एक दंश है। मेरी तो रूह कांप जाती है। जब मैं अपनी जहन में उन नक्सल घटनाओं को सोचता हूं, जिसमें नक्सलियों ने निर्मम और क्रूरतापूर्वक हमारे कई जवानों और सलवा जुडूम के लोगों को मारा। भारत ने चीन को शांति का धर्म दिया, उसके बदले चीन ने भारत को कम्युनिस्ट विचारधारा दी। जिससे बस्तर में माओवाद पनपा। मैं उन शहीद और पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और उनके परिवार के साहस को प्रणाम करता हूं, जिन्होंने इतनी बड़ी विपत्ति का सामना बड़े ही साहस के साथ किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की नियद नेल्लानार योजना नक्सल प्रभावित क्षेत्र में वरदान साबित हो रही है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सुविख्यात लेखक राजीव रंजन प्रसाद थे। उन्होंने लोकतंत्र बनाम माओवाद - थ्येन आनमन की विरासत का बोझ विषय पर गहनता से और विस्तार पूर्वक बातें रखीं। उन्होंने ऐतिहासिक तथ्यों के साथ माओवाद के खतरे के प्रति समाज को आगाह किया। हिंसक विचारों से प्रेरित माओवादियों से बस्तर के भोले भाले लोगों को बचाने, बस्तर में शांति और विकास पर जोर दिया। इस अवसर पर आयोजन समिति के अध्यक्ष दशरथ कश्यप, राजाराम तोड़ेम एवं गोपाल नाग, महापौर सफीरा साहू, संजय पाण्डेय, विकास मरकाम, समाजसेवी किशोर पारेख, चेंबर के अध्यक्ष मनीष शर्मा सहित बड़ी संख्या में शिक्षाविद, अधिवक्ता, चिकित्सक, इंजीनियर, कॉलेज के छात्र-छात्राएं, महिलाएं एवं प्रबुद्धजन मौजूद थे।

30 किलोमीटर पैदल चलकर दुर्गम्य ग्राम बड़े पल्ली पहुंचे स्वास्थ्य कर्मी

- 196 मरीज का किया नि:शुल्क उपचार
- स्वास्थ्य कर्मियों को देखकर ग्रामीणों के चेहरे पर आई मुस्कान

दंतेवाड़ा (ए.)। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग के द्वारा मानसून के पूर्व पहुंच विहीन ग्रामों में लगातार स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है इसी क्रम में विभाग के द्वारा खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ देश दीपक के द्वारा टीम गठित कर ग्राम बड़े पल्ली में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। ज्ञात हो कि दुर्गम क्षेत्र मे बसे ग्राम बड़ेपल्ली तक पहुंचने के लिए रास्ता बेहद ही कठिन है, किंतु विभाग के मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा आम ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने के क्रम में लगभग 30 किलोमीटर दूर पैदल चलकर एवं चार से पांच पहाड़ियों को पार किया गया तब कहीं जाकर वे ग्राम बड़ेपल्ली पहुंचे। जाहिर है रास्ते में उन्हे कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा किंतु टीम ने आखिरकार गांव पहुंचकर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। गांव पहुंचने पर बड़ी संख्या में स्वास्थ्य कर्मियों को देखकर ग्रामीण अत्यंत प्रसन्न नजर आए, इस प्रकार स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा पेड़ों की छांव तले स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में लगभग 196 मरीज का उपचार किया गया एवं 30 वर्ष से अधिक उम्र वाले ग्रामीणों की शुगर एवं बीपी की जांच की गई। साथ ही एनीमिया की जांच टीवी की स्क्रीनिंग तथा महिला बाल विकास के आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के द्वारा बच्चों का वजन लेकर उन्हें पोषण आहार का वितरण करने के साथ ही स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों का टीकाकरण भी किया।

कर्मचारियों ने ग्रामीणों को विभाग के द्वारा विभागीय योजनाओं तथा स्वास्थ्य शिक्षा संबंधी जानकारी भी दी। इस चुनौती पूर्ण कार्य को पूर्ण करने पर स्वास्थ्य कर्मी अत्यंत संतुष्ट नजर आए और प्रात: 7 बजे निकली टीम देर रात 10 बजे तक वापस किरंदुल पहुंची। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर संजय बसाक ने बताया कि जिले के समस्त ब्लॉक में मानसून के पूर्व ऐसे ही दुर्गम गांवो में लगातार स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है एवं वहां पर पर्याप्त मात्रा में मितानिनों के माध्यम से दवाई का भंडारण भी कर दिया गया है ताकि मानसून के दौरान किसी प्रकार की समस्या होने पर जन सामान्य को स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाया जा सके। ग्राम बड़ेपल्ली स्वास्थ्य शिविर में डॉक्टर रवि कोरी, खंड विस्तार प्रशिक्षण अधिकारी राजेश बेहरा, आर एम ए नीरज साहू शमीम रजा ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक श्रीमती नैना कश्यप, श्रीमती ममता ठाकुर सी एच ओ श्वेता हालदार नूपुर मंडल, ओमिन पटेल, यामिनी पारकर एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती रानी राव श्रीमती देविका, श्रीमती सुंदरी, श्रीमती सोमाली तेलाम शामिल थे।

स्टेमसेल पद्धति से गंभीर बीमारियों का इलाज संभव: विकास कोहली

कोरबा (ए.)। आज के समय में हम न चाहते हुए भी भयंकर बिमारियों से बीमार हो रहे हैं, और इस प्रकार बीमारियों से बचने का हमारे पास आज कोई विकल्प नहीं है। लोग अपने लाखों रुपये लगाने के बाद भी इन बीमारियों से अपने जीवन को नहीं बचा पा रहे है। आज हम आपसे आधुनिक विज्ञान यानि प्लांट स्टेमसेल पद्धति से हल किया जा सकता है यह बात नई दिल्ली से आए हुए डॉक्टर विकास कोहली ने कही, उन्होने यह भी कहा कि हमारा शरीर मूलभूत कोशिकाओं से बना है और हमारे शरीर की जड़ यही कोशिकाएं ही होती है, इन कोशिकाओं से ऊतक बनते हैं, इन ऊतक से शरीर के अंग बनते है, जितनी स्वस्थ हमारी कोशिका होगी उतना ही स्वस्थ हमारे शरीर के अंग होंगे।

बाल श्रम के विरूद्ध जारी है जागरूकता अभियान

बिलासपुर (ए.)। कलेक्टर अवनीश शरण के निर्देश पर जिले को बाल श्रम मुक्त किये जाने की दिशा में पहल करते हुए श्रम विभाग द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिसके तहत संयुक्त रूप से श्रम विभाग, महिला बाल विकास विभाग और पुलिस विभाग की ओर से संस्थानों का निरीक्षण किया जा रहा है और नियोजकों को बाल श्रम अधिनियम के विषय में जानकारी दी जा रही है।

राष्ट्रीय बाल श्रम व छत्तीसगढ़ शासन श्रम विभाग के संयुक्त योजना के अनुसार 'बाल श्रमिक अधिनियम' 1986 के अंतर्गत 1 जून 2024 से 30 जून 2024 तक बिलासपुर जिले के सभी नगरीय निकायों में सघन निरीक्षण करने जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें प्रतिदिन श्रम विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा पुलिस विभाग की संयुक्त टीम निरीक्षण कर रही है। 3 जून 2024 तक 26 संस्थानों का निरीक्षण किया गया है। बाल श्रमिक नियोजित पाये जाने पर न्यूनतम 20 हजार रूपये तथा 6 माह से 2 वर्ष के कारावास का प्रावधान है।

सहायक श्रमायुक्त आर.के.प्रधान ने बताया कि जिले को बाल श्रम मुक्त किया जाना सुनिश्चित किया गया है, जिसके तहत 1 जून से 30 जून तक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। नियोक्ताओं से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान में बाल श्रम नियोजित न करें ये दंडनीय अपराध है। उल्लेखनीय है कि बाल श्रमिक अधिनियम 1986 के तहत् वर्तमान में बाल श्रम (14 वर्ष तक) तथा खतरनाक उद्योगों में (18 वर्ष तक) पूर्णत: प्रतिबंध है।

ईवीएम पर सवाल उठाना कांग्रेस की पुरानी आदत : साव

रायपुर (ए.)। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने लोकसभा चुनाव के सामने आ रहे परिणामों को लेकर कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन को संवैधानिक संस्थाओं पर विश्वास नहीं है। कांग्रेस के मुताबिक जब काम नहीं होता तो ये संवैधानिक संस्थाओं पर प्रश्न चिन्ह उठाते हैं। ये लोग न्यायालय के निर्णयों पर अविश्वास जताते हैं। चुनाव आयोग पर प्रश्न उठाते हैं। अब एग्जिट पोल को मैनेज करने की बात कर रहे हैं। साव ने कहा कि आखिर कांग्रेस किस पर विश्वास करेगी। इसी कारण जनता ने कांग्रेस को अपने से दूर कर दिया है।

साव ने कहा कि कांग्रेस और ईडी गठबंधन चुनाव रिजल्ट पर भी सवाल उठाएंगे। हार के बाद ईवीएम को दोषी ठहराएंगे। कांग्रेस को जनता ने नकार दिया है, इनकी विश्वनीयता पूरी तरह खत्म हो चुकी है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि, लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद ये लोग आपस में लड़ेंगे। एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप करेंगे। छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी सभी 11 की 11 सीटें जीतेगी। छत्तीसगढ़ सहित 15 प्रदेशों में कांग्रेस का खाता नहीं खुलने वाला है। कांग्रेस के दावे पर साव ने कहा कि कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में 75 पार का नारा दिया था, क्या हुआ, ये सब जानते हैं। ये लोग बुरी तरह से पराजित हुए थे। अब लोकसभा में भी इनकी बुरी हार होने वाली है। भाजपा छत्तीसगढ़ की सभी सीटें जीतने जा रही है। वहीं पूरे देश में एनडीए की 400 से अधिक सीटें आने वाली है। मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। चिंतन शिविर पर कांग्रेस के सवाल पर साव ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस छत्तीसगढ़ का विकास नहीं चाहती है, इसलिए प्रदेश के विकास के लिए आयोजित शिविर पर सवाल उठा रहे हैं। वहीं कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के विकास विजन पर आयोजित चिंतन शिविर पर प्रश्न कर अपनी विकास विरोधी और छत्तीसगढ़ विरोधी मानसिकता को प्रदर्शित किया है।

रेलवे ट्रैक के नीचे केबल-पाइप क्रॉसिंग विषय पर की चर्चा

विभागों के साथ समन्वय स्थापित करने, सही कार्य प्रणाली, सही औजार एवं उपकरण के उपयोग पर जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में 3 जून को संरक्षा विभाग के द्वारा रेलवे ट्रैक के नीचे केबल/पाइप क्रॉसिंग के ऊपर विशेष संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन डब्ल्यू. आर एस कॉलोनी/ रायपुर में किया गया जिसमें 19 मई को उरकुरा में हुई घटना के संबंध में किया गया, जिसमें CSPDCL, PHED एवं रेलवे की तरफ से रायपुर, बिलासपुर, एवं नागपुर मंडल ने भाग लिया। रेलवे की तरफ से मंडल रेल प्रबंधक/ रायपुर, अपर मंडल रेल प्रबंधक परिचालन/ रायपुर एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक/ इंफ्रा /रायपुर, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी/रायपुर के अलावा सभी शाखा अधिकारी मौजूद रहे CSPDCL तथा

PHED की तरफ से भी उक्त संगोष्ठी में SE, EE, AE एवं पर्यवेक्षक मौजूद थे।

उक्तष संगोष्ठी में रेलवे ट्रैक के नीचे केवल पाइप क्रॉसिंग के ऊपर चर्चा की गई। उक्तअ कार्यक्रम में करीब 200 अधिकारी एवं पर्यवेक्षकों ने भाग लिया तथा करीब 70 पर्यवेक्षक ऑनलाइन के माध्यम से इस कार्यक्रम में जुड़े। मंडल रेल प्रबंधक ने दूसरे विभागों के साथ समन्वय स्थापित करने, सही कार्य प्रणाली, सही औजार एवं उपकरण के उपयोग पर जोर दिया। टेक्निकल कार्यों में प्रशिक्षित कर्मचारियों को उपयोग करने की बात संबंधित विभागों को कही गई।

अपर मंडल रेल प्रबंधक के द्वारा उरकुरा स्टेशन में हुई दुर्घटना के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई । वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी ने केवल पुशिंग के बारे में विस्तृत जानकारी दी। वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता ने केवल रूट कंप्लीशन डायग्राम एवं ट्रांसमिशन का उपयोग के संबंध में जानकारी दी।

वरिष्ठ मंडल अभियंता ने RBCS ऑनलाइन पोर्टल के उपयोग के बारे में बताया । कार्यवाहक अभियंता/CSPD-CL ने रेलवे के साथ समन्वय स्थापित करने में आने वाली समस्याओं के बारे में बताया जिसका तुरंत निराकरण मंडल रेल प्रबंधक द्वारा किया गया। इस पर फील्ड में एक्सपर्ट श्री कंस्ट्रक्शन एवं मैक्सवेल कंपनी द्वारा केबल पुशिंग करने वाले HDD मशीन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई तथा ग्राउंड पर HDD मशीन का लाइव डेमोंसट्रेशन किया गया।

वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी ने कार्यक्रम का समापन करते हुए सभी को धन्यवाद ज्ञापन किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपर मंडल रेल प्रबंधक /इंफ्रा तथा अपर मंडल रेल प्रबंधक/ परिचालन ने अहम भूमिका निभाई।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

लैमिनेट्स और वेनीर्स पर डेंटल सीडीई कार्यक्रम का सफल संचालन

रायपुर (ए.)। इंडियन डेंटल एसोसिएशन (आईडीए) रायपुर ने डेंटल लैमिनेट्स और वेनीर्स पर सीडीई कार्यक्रम 2 जून को होटल ट्राइटन में आयोजित किया। कार्यक्रम के वक्ता क्षेत्र के प्रसिद्ध विशेषज्ञ, दिल्ली के डॉ. अभिषेक शर्मा की ने डेंटल लैमिनेट्स और विनीर्स के अनुप्रयोग में नवीनतम प्रगति, तकनीकों और सर्वोत्तम प्रथाओं को विस्तार से बताया। डेंटल लेमिनेट्स मिनिमल इनवेसिव प्रिपरेशन से अच्छी स्माइल डिज़ाइन की लेटेस्ट तकनीक है। कार्यक्रम में आईडीए रायपुर के अध्यक्ष आभाष शुक्ला सेक्रेटरी सोपान सिंह treasurer प्रवेश गोयल। कार्यक्रम के कोर्डिनेटर डॉ. विवेक लाठ, डॉ. मोहित मानिक, डॉ. वैभव कृदत्त के अलावा 150 से अधिक डेंटिस्टों ने मौजूद रहे। आईडीए रायपुर उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षिक कार्यक्रम प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में इस तरह के और कार्यक्रम आयोजित करने के लिये तत्पर है।

नाला में गिरे बैल को रहवासियों ने सुरक्षित बाहर निकाला

रायपुर (ए.)। नगर पालिक निगम जोन नम्बर 9 के तहत कचना बीएसयूपी कॉलोनी आवासीय क्षेत्र के रहवासियों ने नाला में एक बैल के अचानक गिर जाने की जानकारी नगर पालिक निगम रायपुर को दी। इस जानकारी को तत्काल संज्ञान में लेकर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा द्वारा दिये गए आदेशानुसार नगर निगम जोन 9 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय के निर्देश पर नगर निगम जोन 9 स्वास्थ्य विभाग की काऊ कैचर टीम काऊ कैचर वाहन लेकर जोन स्वास्थ्य अधिकारी आत्मानंद साहू, स्वच्छता निरीक्षक महेंद्र कलिहारी, स्वच्छता पर्यवेक्षक भोला तिवारी की उपस्थिति में तत्काल सम्बंधित नाला के स्थल पहुंची एवं अग्निशमन विभाग की टीम के साथ मिलकर कचना बीएसयूपी नाला में अचानक गिरे बैल को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। कचना बीएसयूपी कॉलोनी आवासीय क्षेत्र के रहवासियों द्वारा नाला में अचानक गिरे बैल को बाहर सुरक्षित निकाले जाने के इस कार्य को लेकर नगर निगम जोन क्रमांक 9 के स्वास्थ्य विभाग की काऊ कैचर टीम सहित अग्निशमन विभाग की टीम की सराहना की गयी।

यातायात डीएसपी ने 2 ट्रैफिक पुलिस का कटा चालान : ड्यूटी के दौरान बिना हेलमेट चला रहे थे बाइक

रायपुर। लोकसभा चुनाव मतगणना के दिन यातायात नियमों का पालन नही करने वाले 2 ट्रैफिक पुलिस का चालान कट गया। दरअसल मंगलवार को काउंटिंग स्थल सेजबहार में यातायात व्यवस्था के लिए अधिकारी और कर्मचारी की ड्यूटी लगाई गयी थी। यातायात थाना से दो कर्मचारी एक प्रधान आरक्षक एवं एक आरक्षक अपने दोपहिया वाहन में बिना हेलमेल लगाये ड्यूटी पर पहुंचे थे। मौके पर पहुंचे यातायात डीएसपी गुरजीत सिंह ने दोनों को हेलमेट नही लगाने का कारण पूछा, संतोषजनक जवाब नहीं देने पर दोनों पर 1000-1000 रुपए का फाइन किया गया। और ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए के निर्देश दिए। यातायात डीएसपी गुरजीत सिंह ने बताया कि मोटरयान अधिनियम की धारा 129/194(डी) के तहत 500 रुपये जुर्माना का प्रावधान है। लेकिन नए मोटरयान कानून 2019 के धारा 210 (बी) में यह प्रावधान किया गया है कि ट्रैफिक नियम पालन कराने वाले (पुलिस अधिकारी) यदि नियमों को नही मानते है तो उनकी सजा दोगुना होगी । इसलिये दोनों कर्मियों से 500 की जगह 1000-1000 रुपए फाइन किया गया। रायपुर SSP संतोष कुमार सिंह ने जिले में तैनात सभी अधिकारी कर्मचारी को वर्दी की हालत में बाइक चलाते समय हेलमेट लगाने और कार चलाते समय अनिवार्य रूप से सीट बेल्ट लगाने के निर्देश दिए है। साथ ही सभी से ट्रैफिक रुल का पालन कर कहा है।

शुद्द पेयजल पर मेडिकल कॉलेज में एकदिवसीय कार्यशाला जल मंथन 2.0 का हुआ आयोजन

जल में पाए जाने वाले जीवाणुओं, उनके होने के संकेत पर प्रकाश डाला

रायपुर (ए.)। सामुदायिक स्तर पर स्वच्छ जल की उपलब्धता एवं गुणवत्ता के संबंध में पं.ज.ने. स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के सामुदायिक चिकित्सा विभाग में संस्था एवं यूनिसेफके सहयोग से गुरुवार को एक दिवसीय कार्यशाला जल मंथन 2.0 का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में छत्तीसगढ़ शासन के विभिन्न विभाग जैसे लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, स्वास्थ्य विभाग, चिकित्सा शिक्षा, नगरी प्रशासन, पंचायत इत्यादि के प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यशाला में स्वच्छ पेय जल की गुणवत्ता, जैविक एवं रसायनिक शुद्धता, जल गुणवत्ता परीक्षण एवं दूषित पानी से होने वाले विभिन्न रोगों के संबंध में विस्तृत परिचर्चा की गई।

इस परिचर्चा में विभिन्न विभागों के प्रतिभागियों ने इससे संबंधित उनके विभाग में संचालित गतिविधियों एवं अनुभवों को साझा किया तथा भविष्य की कार्ययोजना तैयार कर विभिन्न विभागों में सामंजस्य स्थापित करने हेतु सहमति बनी। इस कार्यशाला के शुभारंभ समारोह में पं.ज.ने. स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) के प्रभारी अधिष्ठाता, पैथोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष, डॉ. अरविंद नेरल मुख्य अतिथि थे। मुख्य अतिथि के रूप में अपने उद्बोधन में डॉ. नेरल ने कहा कि जनसमान्य लोगों में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता मात्र से ही अनेक जल जनित रोगों में नियंत्रण किया जा सका है जो कि जल जीवन मिशन की बड़ी उपलब्धि है। फिर भी इस दिशा में और वैज्ञानिक एवं तकनीकी कार्य करने की आवश्यकता है जिससे जलजनित बीमारियों को पूर्णत: नियंत्रित किया जा सके।

जल जनित रोगों एवं उनके रोकथाम के संबंध में सामुदायिक चिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष, डॉ. निर्मल वर्मा द्वारा विचार व्यक्त किये गये, जिसमें उन्होंने जल में पाए जाने वाले जीवाणुओं, उनके होने के संकेत पर प्रकाश डाला एवं रोकथाम के उपायों पर चर्चा की। आशा लता गुप्ता, राज्य नोडल अधिकारी जल गुणवत्ता ने जल जनित रोगों से होने वाले प्रभावों पर प्रकाश डाला। परिमल दत्ता, मुख्य रसायनज्ञ ने वर्तमान में की जा रही जांच एवं जल के गुणवत्ता के बारे में बताया। उमेश साहू एवं डॉ. चयनिका नाग ने भी अपने विचार कार्यशाला में रखे। पेयजल की जैविक गुणवत्ता के संबंध में चिकित्सा महाविद्यालय के माईक्रोबायोलॉजी विभाग की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. नेहा सिंह द्वारा वैज्ञानिक तथ्यों को रखा गया। कार्यशाला के अंत में छत्तीसगढ़ राज्य हेतु पेयजल की गुणवत्ता के सुचारू रूप से संचालन हेतु रोडमैप तैयार कर शासन के समक्ष प्रेषित करने के लिए अनुशंसा की गई है। कार्यशाला में प्रमुख रूप से आशा लता गुप्ता, राज्य नोडल जल गुणवत्ता, जल जीवन मिशन, परिमल दत्ता, मुख्य रसायनज्ञ, उमेश साहू, यूनिसेफ देवी दास, समर्थन, बिरजा, यूनिसेफ डॉ. चयनिका, आई.डी.एस.पी. से सम्मिलित हुए।

रविशंकर यूनिवर्सिटी में प्रथम व द्वितीय वर्ष की अंकसूची लौटाने पहुंचे छात्र

उत्तर पुस्तिका जांच करने में गड़बड़ी, RTI लगाने के बावजूद भी सही जानकारी नहीं दी

रायपुर (ए.)। राजधानी रायपुर के पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के दो छात्रों ने अपने प्रथम और द्वितीय वर्ष की अंकसूची विश्वविद्यालय को सरेंडर कर दिया है। छात्रों का आरोप है कि विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा उसके साथ लगातार 3 महीनों से दुर्वव्यवहार किया जा रहा है। इसके साथ ही युनिवर्सिटी पर परीक्षा की उत्तर पुस्तिका जांच करने में गड़बड़ी की गई और RTI लगाने के बावजूद भी सही जानकारी नहीं दी जा रही है।

दोनों छात्र शुक्रवार को अपने अंकसूची लौटाने युनिवर्सिटी पहुंचे थे, हालांकि कुलपति के नहीं आने की वजह से वे नहीं लौटा सके। इसलिए छात्रों ने अब शनिवार को राज्यपाल से मुलाकात कर विश्वविद्यालय प्रबंधन की शिकायत करते हुए अपने अंकसूची सरेंडर करने का फैसला लिया है।

जानकारी के अनुसार LLM के छात्र कायलाल घृतलहरे ने रिजल्ट आने पर छात्रों ने असतुष्टि जाहिर करते हुए विश्वविद्यालय एवं उच्च शिक्षा विभाग

यूजीसी कलेक्टर को पत्र लिखा था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होने से छात्रों ने सूचना अधिकार के तहत, एल एल एम की कॉपी प्राप्त की। प्राप्त कॉपी में छात्रों को कई प्रकार की गड़बड़ी पाई।

छात्र ने बताया कि कॉपी मिलने पर पता चला, कि सही उत्तर को गलत दर्शाया गया है जिस पर पुन: जांच करने के लिए छात्र द्वारा एक निवेदन पत्र लिखा गया। इस पर भी कोई कार्रवाई नहीं होने से छात्रों ने फिर से रिमाइंडर लेटर लिखकर विश्वविद्यालय प्रशासन से निवेदन किया।

वहीं जब विश्वविद्यालय प्रबंधन ने कार्रवाई की, तो उसमें भी छात्रों के केवल एवरेज नंबर निकालकर 2 अंक प्रदान कर दिए गए। इसके अलावा आंतरिक मूल्यांकन में भी गड़बड़ी होने को लेकर छात्र ने जब RTI लगाया, तो विभाग अध्यक्ष ने बताया कि उसमें खुलासा हुआ कि उसके उत्तर पुस्तिका कहीं गुम हो गए हैं।

छात्र ने बताया, कि उसे विश्वविद्यालय ने उत्तर पुस्तिका गुमने के संबंध में कोई सूचना नहीं दी और ना ही FIR दर्ज कराई गई। जिसके बाद छात्र कुलपति से इस मामले में बातचीत करने पहुंचा तो, कुलपति के स्टाफ ने उसके साथ बदसलूकी कर वहां से भगा दिया। इन सब से परेशान होकर छात्र LLM प्रथम और द्वितीय वर्ष की मार्कशीट विश्वविद्यालय को वापिस कर रहे हैं।

छात्र ने बताया, कि विश्वविद्यालय प्रबंधन उत्तर पुस्तिका जांचने वाले को बचाने के लिए इस तरह से चालें चल रही है। उसने बताया कि विश्वविद्यालय की PRO ने इस मामले में मीडिया को 5 मई को ही जांच टीम गठित होने की बात कही थी। जबकि छात्र ने जब जांच रिपोर्ट की मांग की, तो उससे अब जाकर टीम गठित करने की बात कही है।

वहीं BA LLB के एक छात्र के ने पुनर्मुल्यांकन के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति से बात की, तो उसे भी यह कह कर भगा दिया गया कि यहां पुनर्मुल्यांकन का कोई नियम नहीं है।

मांग के अनुरूप दालों की कीमतों में हुई जबरदस्त बढ़ोत्तरी

रायपुर (ए.)। आवक की तुलना में मजबूत बाजार मांग के कारण राहर दाल की कीमतों में जबरदस्त वृद्धि हुई है। पिछले दो महीने में ही अरहर दाल की कीमत में 25 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी हुई है। थोक बाजार में यह 185 रुपये प्रति किलो और चिल्हर में 195 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। व्यापारियों का कहना है कि खराब फसल से उनकी आय काफी कम हो गई है और बाजार में मांग बढ़ गई है, जिससे अरहर दाल की कीमत बढ़ गई है। राहर दाल के साथ-साथ चना दाल की कीमत में भी भारी बढ़ोतरी हुई है और चिल्हर में चना दाल 95 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। व्यापारियों का कहना है कि जैसे-जैसे आय में सुधार होगा, कीमतें भी कम होंगी।

दालों के साथ-साथ मसालों की कीमतें भी इन दिनों तेजी से बढ़ रही हैं, खासकर हल्दी की कीमत 350 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। लंबे समय से गिर रही खाद्य तेल की कीमतें अब बढ़ने लगी हैं। हालांकि, फिलहाल सोया तेल 100 से 110 रुपये प्रति लीटर और फल्ली तेल 160 से 190 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। लेकिन सरसों के तेल की कीमत में भारी वृद्धि हुई है और इन दिनों थोक में सरसों तेल की कीमत रु। 2250 प्रति टिन तक पहुंच गया है। एक माह पहले सरसों का तेल 2050 रुपये प्रति टिन बिक रहा था।

चीनी भी हुई महंगी

इन दिनों चीनी के दाम भी बढ़ रहे हैं और चीनी 3850 से 4200 रुपये प्रति क्विंटल बिक रही है, जबकि चिल्हर में चीनी 44 रुपये प्रति किलो बिक रही है। चीनी की मांग भी अधिक है, जिसके कारण कीमतें बढ़ रही हैं।

खाद-बीज के भंडारण और वितरण में लापरवाही बरतने वालों पर होगी कड़ी कार्यवाही

खरीफ फसलः किसानों को मांग के अनुरूप खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करें - मुख्यमंत्री

रायपुर (ए.)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आगामी खरीफ सीजन के मद्देनजर सोसायटियों में पर्याप्त मात्रा में खाद बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये है। मुख्यमंत्री ने कृषि एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों को मानक स्तर के खाद-बीज का भंडारण एवं उठाव की स्थिति पर निरंतर निगरानी रखने को कहा है। उन्होंने आगामी 15 जून तक किसानों को उनकी डिमांड के आधार पर गुणवत्तापूर्ण खाद-बीज प्रदाय किये जाने की व्यवस्था सोसायटियों के माध्यम से करने को कहा है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि किसानों को खाद-बीज के लिए किसी भी तरह की दिक्कत का सामना न करना पड़े, इस संबंध में पहले से ही पर्याप्त व्यवस्था की जानी चाहिए। उन्होंने सोसायटियों में खाद-बीज के भंडारण और वितरण में लापरवाही बरतने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही के भी निर्देश दिये है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने खेती-किसानी के दीर्घ अनुभव के आधार पर कहा है कि खरीफ सीजन में किसान भाईयों द्वारा डीएपी खाद की मांग ज्यादा की जाती है। इसको ध्यान में रखते हुए डीएपी खाद की मांग और सप्लाई पर विशेष निगरानी रखी जानी चाहिए। उन्होंने खाद-बीज की गुणवत्ता को लेकर भी सेंम्पलिंग एवं प्रयोगशाला के माध्यम से जांच का विशेष अभियान संचालित किया जाए। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को अपने-अपने इलाके में खाद-बीज की मांग, भंडारण, उठाव एवं गुणवत्ता की मांनिटरिंग के निर्देश दिये है।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने जानकारी दी है कि खरीफ सीजन 2024-25 के लिए राज्य में 13.68 लाख मैट्रिक टन उर्वरकों की मांग के विरूद्ध तक 9.13 लाख मैट्रिक टन उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित कर ली गयी है, जो मांग का 67 प्रतिशत है। सोसायटियों से किसानों को खाद-बीज का लगातार वितरण जारी है। राज्य में खाद-बीज की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जांच-पड़ताल एवं नमूने लिये जाने की कार्यवाही जारी है। रासायनिक उर्वरकों एवं जैव उर्वरकें के गुण नियंत्रण के लिए 1067 नमूने लिये गए है, जिनकी जांच गुण नियंत्रक प्रयोगशाला में करायी जा रही है। सोसायटियों में विभिन्न खरीफ फसलों के बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। खरीफसीजन 2024-25 में 5 लाख 59 हजार 203 क्विंटल बीज की मांग के विरूद्ध 6 लाख 39 हजार 4 क्विंटल बीज की उपलब्ध है, जो कि मांग का 114 प्रतिशत है। सोसायटियों से किसान लगातार बीज का उठाव कर रहे है। अब तक 03 लाख 75 हजार क्विंटल बीज का उठाव किसानों ने किया है, जो कि बीज की डिमांड का 67 प्रतिशत है।

मुख्यमंत्री से छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर (ए.)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को शॉल एवं पुष्प गुच्छ भेंटकर सम्मानित किया। संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग के शुभारम्भ समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने पदाधिकारियों को आमंत्रण के लिए धन्यवाद दिया तथा आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ दी।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के द्वारा राजधानी रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 7 जून से 16 जून तक छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष जुबीन शाह, संयुक्त सचिव जीएस मूर्ति, डायरेक्टर विजय शाह, राजेश दवे, विजय बजाज एवं तरुणेश परिहार भी उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर विविध आयोजन, सघन वृक्षारोपण से ही गर्मी पर पाया जा सकता है नियंत्रण

रायपुर (ए.)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून को छत्तीसगढ़ शासन के वन विभाग, सामाजिक वानिकी विभाग एवं अनेक स्वयं सेवी संगठनों द्वारा आम लोगों को अधिक से अधिक वृक्षारोपण लगाए जाने के लिए जहां प्रेरित किया जाएगा। वहीं बच्चों के द्वारा विविध रंगों को उकेरकर अपनी कलाकृतियों के माध्यम से चित्र बनाकर विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व को प्रदर्शित किया जाएगा।

गौरतलब है कि सघन वृक्षारोपण ही बढ़ती गर्मी को रोकने का एक मात्र उपाय है। इस संबंध में हमारे कोरिया के संवाददाता कृष्णा सिंह बाबा ने चर्चा के दौरान बताया कि सरगुजा, बस्तर, पेण्ड्रा, जशपुर सहित छत्तीसगढ़ में

सघन वनों के कटने से जहां पिछले कुछ वर्षों में तापमान में वृद्धि हुई है, वहीं हसदेव जंगल की कटाई होने से सरगुजा भी प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रकृति से छेड़छाड़ का नतीजा आज राजस्थान, पाकिस्तान सीमा पर 55 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड तोड़ तापमान होना देश प्रदेश में ग्लोबल वार्मिंग के चलते बढ़ते तापमान को प्रमाणित करता है, इस बार छत्तीसगढ़ में जिस तरह से मुंगेली का तापमान 47 डिग्री पार दर्ज किया गया वह अपने आप में एतिहासिक वृद्धि का तापमान रिकॉर्ड है।

समय के साथ-साथ जंगलों की कटाई पर पर रोक लगना जरूरी है, वे अपने विचार के माध्यम से छत्तीसगढ़ के जन मानस से बढ़ते तापमान से मुक्ति के लिए अधिक से अधिक सघन वृक्षारोपण किए जाने की अपील करते हैं, कृष्णा बाबा ने कहा कि प्रत्येक नागरिक अपने घर के आस-पास पांच पौधे लगाता है तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह अग्रगामी कदम होगा।

लक्ष्मी जनरल एण्ड फैन्सी स्टोर्स
शहनाज, लोटस, हिमालया,
Nature, Biotique, Bio Care
अरोमा, Good Vibes, Wow
ऑल ब्यूटी कॉस्मेटिक के थोक एवं चिल्हर विक्रेता
विशेष :- ब्यूटी पार्लर के सभी तरह की मशीने उपलब्ध है
Ajay Malghany 7389440364
Ramesh Maighany 9302457395
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

J.K. TRADERS
Mohit Ahuja:- 97550 01136 98939 77337
PLASTO प्लास्टो है तो गॅरन्टी है।
Nandini Road, Power House, Distt.-Durg, Bhilai (CG)

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरीफायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोनः 0788-2225449, 93290-13017

● जीन्स
● टी-शर्ट
● शर्ट
● ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

सलोनी बत्रा ने गांठ में अपने रोल पर कहा, बॉडी लैंग्वेज और टोन पर करना पड़ा काम

एक्ट्रेस सलोनी बत्रा जल्द ही थ्रिलर सीरीज गांठ में नजर आने वाली हैं। उन्होंने अपने रोल के बारे में बात करते हुए बताया कि उन्हें इसके लिए अपनी बॉडी लैंग्वेज और टोन पर काम करना पड़ा। मानव विज और मोनिका पंवार स्टारर गांठ की शूटिंग दिल्ली में चल रही है। सीरीज में सलोनी एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं।

सलोनी ने कहा, यूनिफॉर्म में होना अपने आप ही जिम्मेदारी की भावना पैदा करता है, खासकर गांठ जैसे शो के लिए, जिसकी कहानी पूरी तरह से एक क्रूर अपराध की जांच के इर्द-गिर्द घूमती है। ट्रेलर में पुलिस इंस्पेक्टर गदर सिंह और साइकियाट्रिक साक्षी मुर्मू एक साथ मिलकर सामूहिक आत्महत्या मामले को सुलझाते हुए दिख रहे हैं, जिसमें एक घर में सात शव लटके हुए मिले थें। उनकी जांच में कई पहलू सामने आए, जिनमें गंभीर अपराध, धार्मिक विश्वास, अंधविश्वास और सामाजिक मनोविकृति है।

सीरीज के बारे में बात करते हुए सलोनी ने कहा, स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद, मैं अपने किरदार को निभाने के लिए बेहद एक्साइटेड थी। यह मेरे द्वारा पहले किए गए किरदारों से बिल्कुल अलग था। मुझे बॉडी लैंग्वेज, टोन, सीनियर्स और साथी सदस्यों के साथ रिश्ते और सबसे महत्वपूर्ण बात, बैकस्टोरी पर काम करना था। एक्ट्रेस ने कहा कि इन बारीकियों पर काम करने में बहुत मजा आया।

उन्होंने कहा, मानव की मौजूदगी ने मेरे लिए हर पल को और भी बेहतर बना दिया। उनकी ईमानदारी, एनर्जी और हमारे बीच की दोस्ती ने शूटिंग को और भी मजेदार बना दिया। उन्होंने अपने एक्सपीरियंस से मेरी बहुत मदद की।

कनिष्क वर्मा द्वारा निर्देशित, यह सीरीज 11 जून को जिओ सिनेमा पर प्रीमियर होगी। बता दें कि सलोनी ने संदीप रेड्डी वांगा की डायरेक्शन में बनी एक्शन क्राइम थ्रिलर एनिमल में रणबीर सिंह की बहन रीत का किरदार निभाया था। इस फिल्म में रणबीर कपूर, बॉबी देओल, अनिल कपूर, रश्मिका मंदाना, सुरेश ओबेरॉय और सलोनी बत्रा समेत कई कलाकारों ने अहम रोल प्ले किया था।

शर्लिन चोपड़ा ने प्रिंटेड बिकनी पहन गिराई बिजली

एक्ट्रेस की हॉटनेस ने बढ़ाया सोशल मीडिया का तापमान

बॉलीवुड एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा सोशल मीडिया पर हमेशा अपनी हॉट और ग्लैमरस तस्वीरों से धमाल मचाती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह प्रिंटेड बिकनी पहनी हुई नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में शर्लिन चोपड़ा खुले बालों और ग्लोइंग मेकअप के साथ पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं। उनकी हॉटनेस देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। इन तस्वीरों पर सोशल मीडिया पर कई लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं। फैंस शर्लिन की खूबसूरती और हॉटनेस की तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, आप तो आग लगा रही हैं शर्लिन जी। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा, आप इतनी खूबसूरत कैसे हो सकती हैं। शर्लिन चोपड़ा अक्सर अपनी बोल्ड और बेबाक तस्वीरों और वीडियो के लिए सुर्खियों में रहती हैं।

मोना चोपड़ा उर्फ़ शर्लिन चोपड़ा एक भारतीय मॉडल-फिल्म अभिनेत्री हैं। वह हिंदी सिनेमा में अपने ग्लैमरस अंदाज और प्लेबॉय मैगजीन के लिए जानी जाती हैं।

शर्लिन चोपड़ा का जन्म 11 फ़रवरी 1984 को हैदराबाद में हुआ था। शर्लिन ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत वर्ष 2005 में फिल्म टाइमपास से की थी। उसके बाद उन्होंने कई हिंदी फिल्मों में सहायक भूमिकाये अदा की। वह निर्देशक रुपेश पॉल की इंग्लिश फिल्म कामसूत्र 3 डी की मुख हीरोइन रह चुकीं हैं। इस फिल्म की स्क्रीनिंग 66 कंस फिल्म फेस्टिवल समारोह में भी की गयी थी। शर्लिन बड़े पर्दे के अलावा छोटे पर्दे पर भी सक्रियर हैं। वह कलर्स के बहुचर्चित और बहुविवादित शो बिगबॉस सीजन 3 का हिस्सा रह चुकीं हैं। हालांकि वह शो में ज्यादा दिन नहीं टिक सकी और 27वें दिन उन्हें घर से बेघर होना पद गया। इसके अलावा वह एमटीवी के शो स्पिल्ट्सविला में भी नजर आ चुकी हैं।

दिव्या खोसला स्टारर फिल्म सावी ने थिएटर्स पर दस्तक दे दी है। सावी 31 मई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है और ऐसे में फिल्म का कई दूसरी फिल्मों के साथ क्लैश भी हुआ है। इसके बावजूद सावी बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन ठीक-ठीक ओपनिंग करने में कामयाब रही। वहीं अब दूसरे दिन का कलेक्शन भी सामने आ गया है जिसमें फिल्म की कमाई में थोड़ी घटती दिख रही है।

सैकनिल्क की मानें तो सावी ने पहले दिन 1.6 करोड़ रुपए के कलेक्शन के साथ बॉक्स ऑफिस पर ओपनिंग ली। वहीं दूसरे दिन दिव्या खोसला की फिल्म के कलेक्शन में थोड़ी कमी आई और इसने 1.50 करोड़ रुपए का कारोबार किया है। अब घरेलू बॉक्स ऑफिस पर सावी की कुल कमाई 3.10 करोड़ रुपए हो गई है।

सावी के साथ-साथ 31 मई को मिस्टर एंड मिसेज माही और छोटा भीम भी रिलीज हुई हैं। ऐसे में दिव्या खोसला की फिल्म पर क्लैश का असर दिखाई दे रहा है। राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर की फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही के आगे सावी का कलेक्शन काफी कम है। जहां सावी ने दूसरे दिन 1.50 करोड़ रुपए कमाए तो वहीं मिस्टर एंड मिसेज माही का कलेक्शन 4.50 करोड़ रहा।

सावी के साथ-साथ 31 मई को मिस्टर एंड मिसेज माही और छोटा भीम भी रिलीज हुई हैं। ऐसे में दिव्या खोसला की फिल्म पर क्लैश का असर दिखाई दे रहा है। राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर की फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही के आगे सावी का कलेक्शन काफी कम है। जहां सावी ने दूसरे दिन 1.50 करोड़ रुपए कमाए तो वहीं मिस्टर एंड मिसेज माही का कलेक्शन 4.50 करोड़ रहा।

फिल्म में दिव्या खोसला लीड रोल में हैं, जिन्होंने सावी का किरदार निभाया है। इसके अलावा हर्षवर्धन राणे सत्यनारायण के रोल में हैं और अनिल कपूर भी अहम भूमिका अदा करते नजर आए हैं।

मिस्टर एंड मिसेज माही के आगे फीकी पड़ी सावी! ऐसा रहा दिव्या खोसला की फिल्म का सेकेंड डे कलेक्शन

वरुण धवन की बेटी होने पर दादा डेविड धवन का था ये रिएक्शन

वरुण धवन और नताशा दलाल एक प्यारी सी बेटी के पेरेंट्स बन गए हैं। धवन परिवार में पोती के जन्म की खुशियां मनाई जा रही हैं। वरुण धवन और नताशा दलाल एक प्यारी सी बेटी के पैरेंट बन गए हैं। बेटी के आने की खुशखबरी ने धवन परिवार की खुशियां और बढ़ा दी हैं। बीती रात परिवार को मुंबई के हिंदुजा हॉस्पिटल के बाहर देखा गया। पोती से मिलकर डायरेक्टर दादू डेविड धवन भी खुश नजर आए और हाथ छोड़ कर पोती होने पर मिल रही बधाइयों को स्वीकार किया। दादी लाली धवन को भी हॉस्पिटल के बाहर पैपराजी को शुक्रियादा करते हुए देखा गया। वरुण धवन की बेटी होने की खुशी करण जौहर भी मना रहे हैं।

डेविड और लाला धवन की खुशी

बेटी के जन्म के दौरान धवन परिवार हॉस्पिटल में ही मौजूद था। पोती से मिलने के बाद डेविड धवन अपनी गाड़ी में सवार हो कर घर जाने लगे। इस दौरान हॉस्पिटल के बाहर मौजूद पैपराजी से उन्होंने बातचीत कर बेटी होने की पुष्टि की। सभी का शुक्रियादा किया और चल दिए। दादी लाली धवन ने भी खुशी से बधाइयों को स्वीकार किया और सभी का शुक्रिया किया। पापा बनने के बाद एक वीडियो वरुण धवन का भी सामने आया है। एक्टर पिता को गाड़ी तक छोड़ने आए थे। वरुण के चेहरे पर पिता बनने का सुकून देखा जा सकता था। उन्होंने पैपराजी को थैंक्यू कहा और वापस हॉस्पिटल के अंदर चले गए।

करण जौहर ने दी बधाई

वरुण धवन के पापा बनने की खुशी उनके पहली फिल्म के डायरेक्टर करण जौहर भी मना रहे हैं। फिल्ममेकर ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर बधाई का एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट से समझा जा सकता है कि घर में बेटी के आने से वो खुद कितना खुश हैं।

लव स्टोरी

बता दें, वरुण और नताशा की लव स्टोरी किसी सपने से कम नहीं है। बचपन की दोस्ती, जवानी का प्यार, शादी और अब बेटी का जन्म। दोनों ने हर खूबसूरत पल साथ में देखा है। अपनी पहली फिल्म स्टूडेंट ऑफ़द इयर के दौरान एक्टर नताशा के साथ रिलेशनशिप में थे। एक लंबा वक्त साथ में देखने के बाद वरुण ने 2021 में शादी कर ली और कुछ महीनों पहले ही पत्नी की प्रेग्नेंसी की जानकारी दी थी। वरुण अपने काम से ब्रेक लेकर नताशा की देखभाल में बिजी होने वाले हैं।

केले के फायदे कर देंगे आपको हैरान, सेहत ही नहीं त्वचा के लिए भी है वरदान

जैसा कि हम सभी जानते हैं केला एक स्वादिष्ट और पौष्टिक फल है, जो सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना गया है। इसमें विटामिन, खनिज और फाइबर जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए काफी महत्वपूर्ण होता है। यह सेहत के साथ-साथ त्वचा के लिए भी काफी लाभदायक माना गया है। इसका इस्तेमाल कर लोग अपने चेहरे की सुंदरता को बढ़ा सकते हैं और पिंपल्स दाग धब्बों से छुटकारा पा सकते हैं।

त्वचा के लिए केले के फायदे

केले में पोटेशियम होता है, जो त्वचा को मॉइस्चराइज करने में काफी मदद करता है। यह मुंहासों से लड़ने की ताकत रखता है और त्वचा को चमकदार बनाने में काफी मदद करता है। यही नहीं केला झुर्रियों को कम करता है और चेहरे को हमेशा जवान रखता है। गर्मी के दिनों में सूरज की हानिकारक किरणों से बचाने में भी केला काफी मदद करता है। जिन लोगों को डार्क सर्कल्स की समस्या है, वह केले का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह डार्क सर्कल्स को कम कर सकता है। त्वचा के साथ-साथ केला बालों के लिए भी किसी वरदान से कम नहीं है। इसका इस्तेमाल कर आप अपने बालों को लंबा, घना और खूबसूरत बना सकते हैं।

केले का इस्तेमाल

आप केले का इस्तेमाल कर फेस पैक बना सकते हैं इसके लिए आपको एक केले को पीस लेना होगा, उसमें दही को मिलाकर अच्छे से पेस्ट तैयार कर लेना होगा। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर 20 मिनट तक लगा रहने दे, इसके बाद गुनगुने पानी से धो लें। केला और दही दोनों आपकी त्वचा को मुलायम बनाने में मदद करेगा। इसके अलावा आप पीसे हुए केले में एक चम्मच हल्दी और एक चम्मच नीम का पाउडर मिला लें। इसको अच्छी तरह मिलाकर पेस्ट बना ले। इस पेस्ट को 15 से 20 मिनट तक अपने चेहरे पर लगाएं, फिर साफ पानी से धो लें। ऐसा करने से पिंपल से जुड़ी सभी परेशानियां दूर होगी। इस फेस पैक का इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें, क्योंकि कुछ लोगों को इससे एलर्जी हो सकती है। ऐसा होने पर डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

सेहत के लिए केले के फायदे

केला पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद करता है और कब्ज, एसिडिटी जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है। केले में पोटैशियम भरपूर होता है, जो रक्तचाप को कम करने में मदद करता है और हृदय संबंधित समस्या से राहत दिलाता है। केला मांसपेशियों की ऐंठन को रोकने में काफी मदद करता है। यही नहीं केला हड्डियों को मजबूत बनाने में भी काफी कारगर माना गया है। यह ऊर्जा का स्तर बढ़ाने में भी काफी उपयोगी माना गया है।

खास खबर

भीषण गर्मी: ट्रांसफार्मर को ठंडा रखने के लिए लगाए गए कूलर

बांदा (ए.)। उत्तर प्रदेश के बांदा में भीषण गर्मी और पारा 48 के पार होने से ट्रांसफार्मर ओवरहीट हो रहे हैं। फाल्ट और अन्य तकनीकी समस्याओं के चलते बिजली भी कट रही है। ट्रांसफार्मर को ठंडा रखने के लिए उस पर पानी डाला जा रहा है। साथ ही कूलर भी लगाए गए हैं। ताकि बिजली आपूर्ति बाधित न हो। पिछले दिनों जिला प्रशासन और एसपी ने जिले के बिजली अफसरों के साथ बैठक कर जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए थे। बता दें कि बुंदेलखंड में इन दिनों भीषण गर्मी का कहर है। सुबह से ही तापमान बढ़ जाता है। लू के थपेड़ों से जनजीवन भी प्रभावित हुआ है। अस्पतालों में मरीज भी बढ़ गए हैं। वहीं भीषण गर्मी में ट्रांसफार्मर फूंक रहे हैं।

तेज रफ्तार कार कार डिवाइडर से टकराकर पलटी, 4 लोगों की मौत

सतना (ए.)। नेशनल हाईवे पर एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। कार सवार 5 लोगों में से 4 की मौत हो गई। एक युवक गंभीर घायल है। ये लोग जन्मदिन मनाने के लिए निकले थे। उन्हें रीवा जाना था। रामपुर बघेलान के पास हादसा हो गया। घटना रविवार रात 10 बजे मनकहरी ओवरब्रिज की है। एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, तीन लोगों ने अस्पताल में दम तोड़ा। हादसे में घायल युवक का नाम किशन जोशी है। उसका रविवार को जन्मदिन भी था। उसे सतना जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही रामपुर बाघेलान थाना प्रभारी उमेश प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों की मदद से कार मे फंसे लोगों को बाहर निकलवाया। मृतकों की पहचान शिवा पांडे पिता श्याम सुंदर (26) निवासी पुष्पराज कॉलोनी, नितिन पांडे (32) निवासी पन्नीलाल चौक सतना, शिबू पांडे (35) निवासी सर्किट हाउस व दयानंद स्कूल के सामने साइकिल की दुकान चलाने वाले शानू खान के रूप में हुई है।

पुलवामा में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़, 2 आतंकी ढ़ेर

पुलवामा (ए.)। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के निहामा इलाके में बुधवार को आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। पुलिस ने बताया आतंकवाद विरोधी अभियान में अब तक मारे गए 2 आतंकवादियों के शव बरामद किए गए हैं। उनकी पहचान और संबद्धता का पता लगाया जा रहा है। ऑपरेशन जारी है। पुलिस ने बताया, पुलवामा जिले के निहामा इलाके में मुठभेड़ शुरू हो गई है। पुलिस और सुरक्षाबल अपना काम कर रहे हैं। पुलिस और सुरक्षाबलों की एक संयुक्त टीम को इलाके में आतंकवादियों के छिपे होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद वहां मुठभेड़ शुरू हुई। हाल के दिनों में कश्मीर में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच कई मुठभेड़ हुई है जिनमें बड़ी संख्या में आतंकवादी मारे गये हैं।

नमामि गंगे अभियान के तहत जल संरचनाओं का किया जायेगा संरक्षण एवं संवर्धन

सभी विभाग तत्परता से इस अभियान में सहभागिता करें - कलेक्टर

गुना (ए.)। शासन के निर्देशानुसार जल संरचनाओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए 05 जून से 16 जून तक नमामि गंगे अभियान संपूर्ण जिले में चलाया जायेगा। कलेक्टर डॉ. सिंह द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में अभियान के संबंध में सभी जिला अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रथम कौशिक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने नमामि गंगे अभियान के संबंध में जानकारी देते हुए निर्देशित किया कि नमामि गंगे अभियान के तहत जिले की समस्त पंचायतों में जल स्त्रोतों तथा नदी, तालाबों, कुआँ, बावड़ी तथा अन्य जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुर्नजीवन हेतु 5 जून से 16 जून तक विशेष अभियान के संचालन किया जायेगा। शासन द्वारा जारी निर्देशों के परिपालन में सभी विभाग उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारियों को तत्परता से पूर्ण करें।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रथम कौशिक ने सभी विभागों को अभियान की रूपरेखा के संबंध में जानकारी देते हुए

निर्देशित किया कि सभी अनुविभागीय अधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पुराने कुंए, बावड़ी को चिन्हित करें। अनुविभागीय अधिकारी जल संरचनाओं के आसपास अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए कार्य योजना तैयार करें। नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में हरित क्षेत्र के विकास के लिए स्थान चिन्हित कर आवश्यक कार्यवाही करें। ऐसी निजी सामाजिक संस्थाएं जो कि जल संरक्षण संवर्धन के लिए कार्य करती है, उन्हें सम्मानित किया जाये। शासकीय एवं निजी भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम प्रारंभ कराया जाये। अभियान अंतर्गत किये जाने वाले कार्य अभियान अंतर्गत नदी के घाटों एवं सार्वजनिक मंदिरों की साफ-सफाई तथा पुताई का कार्य जनसहभागिता से किया जायेगा। इसके अतिरिक्त 6 जून को प्रत्येक स्थानीय निकाय में विशेष जल सम्मेलन बुलाना, 8 जून को प्रात: 7 से 9 बजे तक स्थानीय नागरिकों के साथ समन्वय से वार्ड/ ग्रामवार कुंए/ बावड़ी/ जल संरचना की साफ-सफाई, 9 जून को सामाजिक/धार्मिक महत्व की जल संरचना के समीप कलश यात्रा, जल संरक्षण विषय पर निबंध/ चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन, 10 से 16 जून तक जल संरचनाओं/ कुंए/ बावड़ियों की जनसहयोग से साफ-सफाई, 15 एवं 16 जून को गंगा दशमी के अवसर पर प्रमुख जल स्त्रोत नदी, तालाब, बावड़ियों के किनारे सांस्कृतिक कार्यक्रम, जिला/खण्ड/ नगरीय निकाय स्तर पर भ्रमण दल का गठन आदि कार्य किये जायेंगे।

जल संरक्षण अभियान को जन अभियान का स्वरूप दिया जाएगा : कलेक्टर

उमरिया (ए.)। जल संरक्षण अभियान शासकीय अभियान नहीं है। इस अभियान को जन अभियान का स्वरूप दिया जाए। अभियान के संचालन में समाज के सभी वर्गो जनप्रतिनिधि, शासकीय सेवकों, समाज सेवी संस्थाओं , एनआरएलएम , जन अभियान परिषद, सामाजिक , धार्मिक संगठनों, मीडिया कर्मियों , एनसीसी, एनएसएस तथा स्काउट के विद्यार्थियों का भी सहयोग लिया जाय। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने समय सीमा की साप्ताहिक बैठक में जल संरक्षण अभियान के संचालन की समीक्षा करते हुए कहा कि जिला प्रशासन व्दारा अभियान को गति प्रदान करने हेतु जल संरचनाओ का वितरण कर विभिन्न विभागों को दायित्व सौंपा गया है। संबंधित अधिकारी अपने विभागीय अमले का सहयोग लेकर समय सीमा में इन कार्यो को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराएं। उन्होने कहा कि आयुक्त शहडोल संभाग बी एस जामोद तथा जिला प्रशासन व्दारा जनपद पंचायतवार एवं नगरीय निकायवार मानीटरिंग अधिकारी नियुक्त किए गए है । इन अधिकारियों का दायित्व होगा कि दैनिक रूप से किए जाने वाले कार्यो की जानकारी निर्धारित प्रारूप में संबंधित नोडल अधिकारी को भेजे। ग्रामीण क्षेत्रों के लिए सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, नगरीय निकायों के लिए परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है । संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए है कि कार्य प्रारंभ करने के पूर्व के फोटो एवं वीडियो , कार्य के मध्य के फोटो एवं वीडियो तथा कार्य समाप्त होने के पश्चात फोटो एवं वीडियो अनिवार्य रूप से तैयार कराएं।

जोमैटो ने ग्राहकों से की अपील

दोपहर में ऑर्डर न करने की अपील क्यों की?

नई दिल्ली (एजेंसी)। जोमैटो ने अपने ग्राहकों से एक खास अपील की है। कंपनी ने लोगों से आग्रह किया है कि वे दोपहर के समय केवल तभी खाना ऑर्डर करें जब बहुत जरूरी हो। गर्मी के कहर के बीच ऑनलाइन फूड डिलीवरी ऐप जोमैटो ने अपने ग्राहकों से एक खास अपील की है। कंपनी ने लोगों से आग्रह किया है कि वे दोपहर के समय केवल तभी खाना ऑर्डर करें जब बहुत जरूरी हो। जोमैटो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, कृपया दोपहर के समय जब तक बहुत जरूरी न हो, ऑर्डर करने से बचें।

12 से 4 बजे के बीच सेवाएं बंद कर दें

जोमैटो के इसस अपील पर कुछ लोगों ने इस कदम तारीफ की, लेकिन कुछ लोगों को यह अच्छा नहीं लगा। एक यूजर ने कहा कि सुविधाओं पर निर्भर करता है। 12 से 4 बजे के बीच सेवाएं बंद कर दें। मुनाफे से पहले कभी-कभी इंसान बनना ठीक है। हाँ, हम ऑर्डर नहीं करेंगे, लेकिन फिर भी आपके द्वारा बंद किए जाने से ज्यादा फायदा होगा।

क्या अपने कर्मचारियों की परवाह है

दूसरे यूजर ने लिखा, इसके बजाय दोपहर के समय अपनी सर्विस बंद क्यों नहीं कर देते? एक अन्य ने लिखा, भाई, आप फूड सेवाओं में हैं और लोग तब खाना ऑर्डर करते हैं ,जब यह बहुत जरूरी होता है। अगर आपको वास्तव में अपने कर्मचारियों की परवाह है, तो आप पोस्ट कर रहे होते दोपहर के समय हमारी सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। एक अन्य यूजर ने कहा, क्या यह सच भी है? हालांकि मैं आपकी चिंता की सराहना करता हूं, लेकिन दोपहर के भोजन के समय के ऑर्डर को रात के खाने के समय तक टाला नहीं जा सकता। अगर ऐसा है तो जोमैटो को बेहद जरूरी, ऑर्डर और कम जरूरी ऑर्डर की पहचान करने की जरूरत है।

हर ऑर्डर पर प्लेटफॉर्म शुल्क

एक अन्य ने कहा, अगर आप वाकई डिलीवरी करने वालों की भलाई के बारे में इतने चिंतित हैं तो उनके प्रोत्साहन बढ़ाए, आप लोग बिलों का भुगतान करने के लिए पहले से ही हर ऑर्डर पर प्लेटफॉर्म शुल्क लेते हैं।

हरियाणा के साथ हो सकते हैं हिमाचल प्रदेश में खाली तीन सीटों पर उपचुनाव

राज्य विधानसभा सचिवालय ने प्रदेश में तीन सीटें देहरा, हमीरपुर और नालागढ़ के रिक्त होने की अधिसूचना जारी

शिमला (ए.)। हिमाचल प्रदेश में खाली हुई तीन और विधानसभा सीटों पर उपचुनाव अब हरियाणा में होने वाले चुनाव के साथ हो सकते हैं। हरियाणा में विधानसभा चुनाव अक्तूबर-नवंबर में हो जाएंगे। राज्य विधानसभा सचिवालय ने प्रदेश में तीन सीटें देहरा, हमीरपुर और नालागढ़ के रिक्त होने की अधिसूचना सोमवार को जारी कर दी। इसकी सूचना भारतीय निर्वाचन आयोग को जाएगी तो सांविधानिक प्रावधान के अनुसार छह महीने के भीतर उपचुनाव करवाने जरूरी होंगे। चार-पांच महीने बाद हरियाणा में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं तो भारतीय निर्वाचन आयोग स्वाभाविक रूप से पड़ोसी राज्य हरियाणा के साथ इन उपचुनाव को करवा सकता है। एक रणनीति के तहत मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व की वर्तमान सरकार तीन और उपचुनाव को आगे टलवाने में कामयाब हो गई। इससे भाजपा को भी कांग्रेस सरकार पर घात करना एकदम आसान नहीं होगा। निर्दलीय विधायक देहरा से होशियार सिंह, हमीरपुर से आशीष शर्मा और नालागढ़ से केएल ठाकुर लगातार इस्तीफे मंजूर करवाने के लिए दबाव बनाते रहे। वे बाद में हाईकोर्ट तक चले गए।

तीनों निर्दलियों ने इस्तीफा देने के दूसरे दिन ही भाजपा को भी ज्वाइन कर लिया, मगर कांग्रेस विधायकों ने निर्दलियों के दल-बदलकर भाजपा में जाने की बात पकड़कर एक याचिका विधानसभा अध्यक्ष के पास दायर कर ली और आरोप लगाया कि इन्होंने यह इस्तीफे दबाव और प्रलोभन में आकर दिए हैं। इन पर दल-बदल कानून के तहत कार्रवाई की भी मांग की। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने इसी याचिका पर जांच बैठाई और इसमें सुनवाइयां रखीं। इस याचिका पर सुनवाई के बीच मामला आगे ही खिंचता गया और विधानसभा चुनाव के परिणाम आने से एक दिन पहले मंगलवार को इस्तीफे मंजूर कर लिए गए। इसी के साथ कांग्रेस की यह याचिका बेशक निष्फल हो गई, मगर सुक्खू सरकार की इस्तीफे आगे टलवाने की रणनीति सिरे चढ़ गई। छह सीटों धर्मशाला, सुजानपुर, बड़सर, गगरेट, कुटलैहड़ और लाहौल स्पीति में विधानसभा उपचुनाव हो चुके हैं, जिनके नतीजे मंगलवार को आ रहे हैं। एक ओर इन नतीजों से विधानसभा का नया आकार तय होगा तो अगले उपचुनाव से अगला स्वरूप निश्चित होगा।

अब भाजपा छह सीटें भी जीत जाए तो भी अगले उपचुनाव तक संख्या बल में मजबूत रहेगी कांग्रेस

तीन निर्दलियों की सीटें खाली होने के बाद छह विधानसभा सीटों के उपचुनाव के मंगलवार को आ रहे नतीजों में भाजपा छहों सीटें भी जीत जाती है तो भी सरकार पर फिलहाल कोई संकट नहीं होगा। नौ सीटों के खाली होने पर कांग्रेस का संख्या बल जहां 34 है तो उस स्थिति में भाजपा का 25 से बढ़कर 31 ही होगा। यानी इस संख्याबल में फिर भी कांग्रेस ही बहुमत में होगी। हालांकि कांग्रेस के नेताओं का दावा है कि उपचुनाव में भाजपा की रणनीति सफल नहीं होगी। कांग्रेस उपचुनाव भी जीत रही है, जबकि भाजपा खुद की जीत पर आश्वस्त है।

जनता फिर भेजेगी विधानसभा, बनेगी भाजपा सरकार : केएल

नालागढ़ के निर्दलीय विधायक केएल ठाकुर ने विधानसभा अध्यक्ष की ओर से त्यागपत्र स्वीकार करने पर संतोष जताया है। उन्होंने कहा कि यदि उनके त्यागपत्र शुरू में ही स्वीकार कर लिए जाते तो लोकसभा चुनाव ही यह उपचुनाव भी हो जाता । इससे न केवल सरकारी खर्चा बचता बल्कि सारी चुनावी प्रक्रिया से भी दोबारा नहीं गुजरना पड़ता। उन्होंने उम्मीद जताई कि नालागढ़ की जनता फिर से उन्हें भारी बहुमत से विधानसभा में भेजेगी और जल्द ही प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि छह अन्य विधान सभा क्षेत्रों के साथ ही इन तीन विधानसभा क्षेत्रों के चुनाव भी हो जाते तो मतदाताओं को भी बार-बारहोने वाली परेशानी से बचाया जा सकता था। त्यागपत्र स्वीकार करना विधानसभा अध्यक्ष का अधिकार क्षेत्र है। इसलिए वे यही कहना चाहेंगे कि अंत भला सो भला।

निर्दलियों को टिकट दिए तो तीनों सीटों पर अपनों को मनाना भाजपा के लिए चुनौती

अगर नालागढ़ से भाजपा पंद्रह महीने पहले निर्दलीय चुनाव लड़कर विधायक बने केएल ठाकुर को टिकट देती है तो यहां पर उस वक्त भाजपा प्रत्याशी रहे लखविंद्र राणा को मनाना बड़ी चुनौती होगा। केएल ठाकुर 44.51 प्रतिशत मत लेकर उस समय विजयी हुए थे तो दूसरे स्थान पर 26.85 प्रतिशत वोट लेकर हरदीप सिंह बावा रहे। 23 प्रतिशत वोट लेकर लखविंद्र राणा तीसरे स्थान पर रहे। इसी तरह देहरा में भाजपा के प्रत्याशी रहे पूर्व मंत्री रमेश धवाला को मनाना होगा और पूर्व मंत्री रविंद्र सिंह रवि को भी विश्वास में लेना होगा, जिनकी देहरा परंपरागत सीट रही है। यहां पर होशियार सिंह 37.96 प्रतिशत वोट लेकर चुनाव जीते, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. राजेश शर्मा को 31.56 प्रतिशत वोट पड़े। धवाला पिछले चुनाव में यहां पर 27.62 प्रतिशत मत लेकर तीसरे स्थान पर रहे। इसी तरह ही हमीरपुर में पिछली बार भाजपा प्रत्याशी रहे पूर्व विधायक नरेंद्र ठाकुर को भी भरोसे में लेना होगा। हमीरपुर में निर्दलीय आशीष शर्मा 47.09 प्रतिशत मत लेकर चुनाव जीते थे। कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा 23.65 प्रतिशत मत लेकर यहां दूसरे स्थान पर रहे। पूर्व विधायक नरेंद्र ठाकुर 23.25 प्रतिशत प्रतिशत मत लेकर तीसरे स्थान ले सके थे।

बेंगलुरु में बारिश ने 133 सालों का रिकॉर्ड तोड़ा, एक दिन में 111.1 मिमी हुई बारिश

बेंगलुरु (ए.)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में मानसून आने से पहले 2 जून को बादल खूब जमकर बरसे। इस दौरान बारिश ने एक दिन में 133 सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

रिपोर्ट के मुताबिक, बेंगलुरु में 2 जून को 111.1 मिलीमीटर बारिश हुई है, जबकि कर्नाटक में दक्षिण-पश्चिम मानसून 6 जून को पूरी तरह प्रवेश करेगा।भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने संभावना जताई है कि बेंगलुरु में 3 से 5 जून तक रुक-रुककर बारिश होगी। यहां येलो अलर्ट जारी है। रिपोर्ट के मुताबिक, बेंगलुरु में इससे पहले वर्ष 1891 में 101.6 मिलीमीटर बारिश हुई थी। इसके बाद एक दिन में कभी इतनी बारिश दर्ज नहीं की गई है। आईएमडी का कहना है कि कर्नाटक में बारिश के दौरान अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री की गिरावट आएगी। अधिकतम तापमान 31-32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20-21 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। बारिश के कारण शहर में यातायात व्यवस्था चरमराने और जलभराव की भी आशंका है। आईएमडी के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मानसून लक्षद्वीप क्षेत्र के शेष हिस्सों, केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक के कुछ हिस्सों, रायलसीमा और आंध्र प्रदेश में आगे बढ़ गया है।अगले 3 दिनों में मानसून रायलसीमा और तटीय आंध्र प्रदेश के कुछ और हिस्सों में और पश्चिम बंगाल की ओर बढ़ जाएगा। इसके बाद यह महाराष्ट्र और गुजरात की ओर बढ़ेगा।18 जून तक मानसून उत्तर प्रदेश पहुंचने की उम्मीद है, इसके साथ ही दिल्ली में मानसून पूर्व बारिश शुरू हो जाएगी।

खास खबर

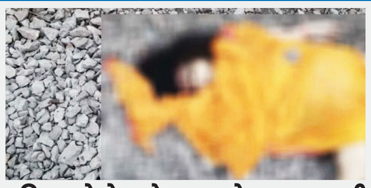

महिला ने ट्रेन के सामने कूदकर की खुदकुशी, जांच में जुटी पुलिस

भिलाई। भिलाई-3 स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 के अंतिम छोर पर मंगलवार सुबह एक महिला ने सुपर फास्ट ट्रेन के सामने कूदकर खुदकुशी कर ली। मृतका की पहचान मुक्ता सिनेमा के पीछे शांति नगर भिलाई-3 की सरिता ठाकरे पति दिलीप ठाकरे (45 वर्ष) के रूप में हुई है। मामले में जीआरपी ने मर्ग कायम कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह साढ़े 5 बजे के आसपास भिलाई-3 स्टेशन के नजदीक गांधी नगर की ओर बने रेलवे के ओएचई आफिस के सामने एक महिला को रेल पटरी के किनारे खड़ी देखकर लोगों को शक हुआ। लोगों ने उसे पटरी से दूर हट जाने को कहा तो महिला कुछ दूर आगे प्लेटफार्म नंबर 1 की ओर चली गई। उसी दौरान समता सुपर फास्ट एक्सप्रेस ट्रेन दुर्ग से रायपुर की ओर तेज रफ्तार से जा रही थी। महिला ने अचानक इस ट्रेन के सामने छलांग लगा दी। इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची जीआरपी ने शव को शास्त्री हास्पिटल सुपेला के मर्च्यूरी में रखवाने भेज दिया। इधर जब सरिता ठाकरे अपने घर पर नहीं मिली तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। पता चला कि किसी महिला ने ट्रेन से कटकर जान दे दी है। परिजन जीआरपी थाना पहुंचें और मोबाइल फोन पर शव की तस्वीर देखकर उसकी पहचान सरिता ठाकरे के रूप में कर दी। फिलहाल खुदकुशी के कारण का पता नहीं चल पाया है।

सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, छह लड़कियां और चार लड़के पकड़ाए

धमतरी। कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के दानी टोला वार्ड में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ दिया है। पुलिस ने दबिश देकर 10 लोगों को हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि इसमें कुछ लड़कियां बाहर से भी हैं। डीएसपी नेहा पवार ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि दानी टोला वार्ड में सेक्स रैकेट का कारोबार चल रहा है। जिस पर दबिश देकर 10 लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षु डीएसपी विंकेश्वरी पिंदे के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस ने छापेमारी की, जहां पर छह युवतियां और चार लड़के संदिग्ध अवस्था में पाए गए। लड़कियों में कुछ बाहर राज्य की भी हैं। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अस्पताल के पास से एक्टिवा पार

रायपुर (ए.)। बुढ़ापारा स्थित बागड़ी नर्सिंग होम के पास खड़ी एक्टिवा को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी मकरंद किशोर 42 वर्ष बावली गली तात्यापारा का रहने वाला है। बताया जाता है कि वह अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 एम 7345 को बुढ़ापारा स्थित बागड़ी नर्सिंग होम के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए एक्टिवा की कीमत करीब 20 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

कोरबा में ऑनलाइन सट्टे में लिप्त छह सटोरी गिरफ्तार

लैपटॉप व फोन जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। क्रिकेट के लोकप्रिय फॉर्मेट्स इंडियन प्रीमियर लीग की शुरुआत के साथ सटोरिया सक्रिय हुए। ऑनलाइन साइट से यह लोग अवैध काम को अंजाम देने में लगे हैं। कोरबा पुलिस ने एक सूचना के आधार पर दो जगह छापा मारकर छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। सटोरियों के द्वारा 21 बैंक खातों में ट्रांजेक्शन की गई 19 लाख रुपये की राशि को होल्ड कराया गया है। आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के अंतर्गत केस दर्ज किया गया।

खुलेआम चलने वाली गतिविधियों के कारण कई प्रकार के जोखिम रहती हैं, इसलिए सटोरियों ने ऑनलाइन पैटर्न पर अपने काम को अंजाम देना जारी रखा है। कोरबा पुलिस को पिछले कुछ समय से इस प्रकार की सूचनाएं मिल रही थीं कि लाइव bookv.com और piche&.com साइट के जरिए आईपीएल सट्टा चल रहा है। प्रशिक्ष आईपीएस रविंद्र मीणा, बालको नगर थाना प्रभारी अभिनव कांत सिंह और साइबर सेल की टीम ने मिलकर छापे की कार्रवाई की। इस दौरान कोरबा से जयप्रकाश सोनी, और चंपा से मुकेश संडे, सोनू सिंह, महेश बरेथ, राकेश सिंह एवं प्रभात कुमार को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने बताया कि यह सभी ऑनलाइन सट्टा पर काम कर रहे थे आरोपियों के कब्जे से एक लैपटॉप, 14 मोबाइल, दो चेक बुक, पांच एटीएम कार्ड और दो बाइक जब हुई है। पुलिस अधीक्षक यूबीएस चौहान ने बताया कि आरोपियों के द्वारा ऑनलाइन सट्टा संचालित करने के लिए 21 बैंक खातों का उपयोग किया गया और उनके माध्यम से लगभग 19 लाख की राशि का ट्रांजैक्शन भी किया गया। त्वरित कार्रवाई करते हुए इस ट्रांजैक्शन को होल्ड कराया है। सटोरियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। पुलिस के द्वारा की गई इस कार्रवाई में पकड़े गए आरोपी कोरबा और जांजगीर चांपा जिले के निवासी बताए गए हैं। इनके खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिशत अधिनियम के अलावा अन्य धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

एसीसी सीमेंट फैक्ट्री में एचओडी की हत्या

कोल हैंडलिंग प्लांट के इंचार्ज ने साथियों के साथ मिलकर किया मर्डर, गिरफ्तार

भिलाई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के भिलाई में एक निजी सीमेंट फैक्ट्री के अंदर कोल हैंडलिंग प्लांट (CPC) के एचओडी बालराजू राव (50) की हत्या हो गई है। बताया जा रहा है कि यह हत्या सीपीसी के इंचार्ज संजय तिवारी और उसके साथियों ने की है। जिन्हें पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मामला जामुल थाना क्षेत्र का है। उसके परिजन पूर्व आर्मीमैन लक्ष्मण राव ने बताया कि, बालराजू राव रोज की तरफ ड्यूटी पर गया था। उसका पिछले कुछ दिनों से कोयले की किल्लत को लेकर सीपीसी के इंचार्ज संजय तिवारी से विवाद चल रहा था। कोयले की कमी के चलते सीमेंट प्लांट भी दो दिन से बंद था।

उन्होंने कहा कि, बालराजू काम का अधिक लोड होने पर संजय तिवारी पर काम सही से करने का दबाव बनाया था। इसी बात को लेकर उसने अपने साथियों के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक हत्या सीपीसी प्लांट के पीछे गैलरी में सुबह 8-9 बजे के बीच हुई है। मामले की जानकारी कंपनी प्रबंधन को दे दी गई है। प्रबंधन ने मामले की जानकारी पुलिस को दिए बिना ही शव को सीधे सुपेला अस्पताल पहुंचा दिया। वहां डॉक्टरों ने बालराजू को मृत घोषित कर दिया। बालराजू राव की पत्नी की कैंसर के चलते दो साल पहले ही मौत हो चुकी है। उनकी दो बेटियां हैं। उनकी परवरिश पिता ही कर रहे थे। उनकी दोनों बेटियां मां की मौत के सदमे से अभी पूरी तरह उभरी भी नहीं थी कि सिर से पिता का साया उठ गया है।

जंगल में गाज गिरने से 26 मवेशियों की मौत, पोलमपल्ली गांव में घटी घटना

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। सुकमा जिले के पोलमपल्ली में रविवार की शाम को आये तेज हवा, बारिश से बचने के लिए मवेशियों का झुंड पेड़ के नीचे छुपा हुआ था, जहाँ अचानक से गाज गिरने से सभी मवेशियों की मौत हो गई। घटना की जानकारी सोमवार की सुबह मवेशी मालिक को लगी जिसके बाद मामले की जानकारी गाँव के लोगों को बताया गया। जहाँ सुबह गांव वाले मौके पर पहुँच शवों को उठाने में जुट गए।

बताया जा रहा है कि सुकमा जिले के पोलमपल्ली गांव में रोजाना की तरह मवेशी मालिक अपने मवेशियों को चरने के लिए छोड़ देते है और शाम होते ही लेने के लिए जाते है, लेकिन रविवार की शाम को जब मवेशी मालिक अपने मवेशियों को लेने जाने वाले थे कि अचानक से गरज बरस के साथ बारिश शुरू हो गई। काफी देर बारिश होने के साथ ही अंधेरा हो गया, जिसके बाद मवेशी मालिक अपने मवेशियों को लेने नही जा पाया।

सुबह जब मालिक अपने मवेशियों को खोजते हुए जंगल पहुँचे तो देखा कि एक पेड़ के नीचे सभी 26 मवेशियों के ऊपर गाज गिरने के कारण उनकी मौत हो गई, ग्रामीणों ने इसकी जानकारी सरपंच से लेकर अन्य लोगों को बताई, जिसके बाद गांव वाले मौके पर पहुँच मामले की जानकारी आला अधिकारियों को दिया गया, बताया जा रहा है कि रविवार की शाम आये तेज बारिश और गाज गिरने से इन 26 मवेशियों की मौत हुई है।

गाज की चपेट में आकर दो की मौत, दो गंभीर

बिलासपुर (ए.)। जिले में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई वहीं दो लोगों की हालत नाजुक बनी हुई हैं। घायलों का उपचार अस्पताल में चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार बेलगहरा क्षेत्र के मरहिमाता मंदिर के पास यह हादसा हुआ है। तखतपुर क्षेत्र के ग्राम बीजा के चार लोग रविवार को मरहीमाता मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए गए हुए थे। इसी दौरान शाम को अचानक मौसम का मिजाज बदला और बारिश शुरू हो गई। इस दौरान चारों व्यक्ति बारिश से बचने के लिए पेड़ के नीचे खड़े हुए थे, तभी आकाशीय बिजली गिरी और इससे एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरे की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। वहीं गाज की चपेट में आकर दो अन्य बुरी तरह से घायल हो गए हैं, जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा है।

हुंडई आई 10 कार में गांजा की तस्करी गांजा के साथ नाबालिग गिरफ्तार

■ 27 किलो गांजा किया बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। एसपी शशिमोहन सिंह के निर्देश पर जिले में लगातार गांजा तस्करों पर कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में जशपुर को बागबहार थाना क्षेत्र में हुंडई आई 10 में गांजा की तस्करी कर रहे नाबालिग को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। नाबालिग तस्कर के पास से पुलिस ने 27 किलो गांजा जब्त किया है। पुलिस को देखकर नाबालिग के और साथी फरार हो गए हैं जिनकी तलाश की जा रही है। यह पूरा मामला बागबहार थाना क्षेत्र के कोतबा पुलिस चौकी क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार रविवार की शाम लगभग 6:30 बजे पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि लैलुंगा (रायगढ़) की ओर से कुछ लोग कार क्रमांक छ्त्त 13.ड्ड 4063 में भारी मात्रा में गांजा की तस्करी करते हुये कोतबा की ओर आ रहे हैं। इस सूचना को पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह को अवगत कराया गया एवं उनके निर्देशन में तत्काल एसडीओपी पत्थलगांव ध्रुवेश कुमार जायसवाल एवं प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक भानु प्रताप चंद्राकर के नेतृत्व में एक टीम का गठन कर मौके के लिये रवाना किया गया।

टीम द्वारा मुखबीर के बताए अनुसार ग्राम पीठाआमा चौक के पास नाकाबंदी कर आने-जाने वाली वाहनों की चेकिंग शुरू की। इस दौरान कार क्रमांक छ्त्त 13.ड्ड 4063 के चालक एवं उसमें सवार कुछ व्यक्ति पुलिस को देखकर अंधेरे में मौका पाकर भाग रहे थे। पुलिस की टीम ने पीछा करते हुए दौड़ाकर कर पकड़ने का प्रयास किया तो उनके हाथ 16 वर्षीय नाबालिग लगा और अन्य लोग भाग गए। कार की जांच में 27 किलो गांजा मिला। नाबालिग से पूछताछ करने उसने बताया कि वह अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर गांजा को लैलुंगा की ओर ला रहा था।

पुलिस द्वारा जब्त गांजा की कीमत 2 लाख 70 हजार रुपए बताई जा रही है। तरफसे लाना बताया, पुलिस द्वारा फरार आरोपियों की पतासाजी की जा रही है। वहीं नाबालिग तस्कर को बाल संप्रेक्षण गृह भेजा गया। प्रकरण की विवेचना में चौकी प्रभारी कोतबा उप निरीक्षक समरेन्द्र कुमार सिंह, प्रधान आरक्षक फ्रांसिस बेक, आरक्षक बूटा सिंह, अरूण तिग्गा, आशिशन प्रभात टोप्पो, पदुम वर्मा, पवन पैंकरा एवं अन्य स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह ने बताया कि क्षेत्र के कुख्यात गांजा तस्कर हीराधर यादव के साथी को पकड़ने में पुलिस को सफलता मिली है, जल्द ही इस प्रकरण के अन्य आरोपी गिरफ्तार होंगे।

अवैध शराब बेचते दो कोचिया गिरफ्तार

रायपुर (ए.)। गुढ़ियारी एवं माना पुलिस ने अवैध शराब बेचने वाले दो कोचिया को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 36 पाव देशी शराब जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार गुढ़ियारी पुलिस ने मिनी चौक मैदान में दबिश देकर अवैध शराब बेचते आरोपी ज्वाला मालेकर 30 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 20 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 240 रुपए जब्त किया है। वहीं माना पुलिस ने बनरसी नहर के पास से आरोपी दुलार टोडर 52 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 16 पाव देशी शराब जब्त किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

छावनी पुलिस ने दो कोचियों के पास से जब्त किए 207 पौव्वा शराब

काउंटिंग के दिन अवैध रूप से शराब बेचने की थी तैयारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 4 जून को मतगणना के दिन अवैध रूप से शराब बेचने की तैयारी में बैकुंटधाम कैंप-2 के ज्ञानोदय स्कूल में छिपाकर रखी गई शराब को छावनी पुलिस ने जब्त किया है। पुलिस ने यहां से 207 पौव्वा देशी मशाला के साथ दो कोचियों को गिरफ्तार किया है। जब्त पौव्वा की कीमत 22,770 रुपए बताई जा रही है।

बता दें दुर्ग एसपी जितेन्द्र शुक्ला द्वारा सभी थाना प्रभारियों को अवैध शराब बिक्री व शराब कोचियों के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया था। इसी कड़ी में छावनी पुलिस ने सोमवार को मुखबिर की सूचना पर बैकुण्ठधाम मैदान केम्प 2 में मो आजाद और के अंजली को पकड़ा और उनके पास से हरे रंग के प्लास्टिक के बोरी में से 63 पौवा रोमियो देशी मदिरा मशाला एवं शराब बिक्री का रकम 700 रुपए बरामद किया।

पूछताछ में दोनों ने बताया कि अब्बाती चन्द्रकला देवी ने इन्हें अपनी एक नीले रंग की स्कूटी और 25000 रुपए देकर शराब खरीद कर लाने कहा था। दोनों उसके नीले रंग की स्कूटी से 4 बोरी शराब लेकर आए। 3 बोरी शराब को ज्ञानोदय स्कूल के अंदर सीढी के नीचे छिपाकर रखा और और एक बोरी बेचने के लिए दिया। ज्ञानोदय स्कूल के अंदर सीढी के नीचे जाकर देखे तो वहां 3 बोरियों में भारी मात्रा में शराब मिली। दोनों आरोपियों से कुल 207 पौवा रोमियो देशी मदिरा मशाला प्रत्येक में 180 एम एल कुल 37.260 बल्क लीटर कीमती 22770 रुपए जब्त किया है। वहीं एक महिला फरार है।

जिला अस्पताल में वाहनों को आग लगाने वाला पकड़ाया, बदमाश ने जला दी थी 2 एंबुलेंस व 3 दोपहिया

भिलाई। जिला अस्पताल परिसर में पार्किंग में खड़ी वाहनों में आग लगाने वाले बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बदमाश ने बीते दो दिनों में दो एंबुलेंस व तीन दो पहिया वाहनों को आग लगा दी थी। इस मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बता दें जिला अस्पताल के पार्किंग में 1 व 2 जून की दरमियानी रात को दो एंबुलेंस व तीन दोपहिया वाहनों को आग लगाकर जला दिया गया। आग लगने की सूचना के बाद पुलिस ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी और आग पर काबू पाया गया। तब तक गाड़ियां पूरी तरह से जल चुकी थी। इस मामले में पुलिस को आरोपी की तलाश थी। पुलिस ने आसपास के सीसी टीवी फुटेज को खंगाला और आरोपी तक पहुंची। इस मामले में पुलिस ने उर्फ जग्गी यादव पिता विनोद यादव उम्र 33 साल साकिन पचरी पारा दुर्ग को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफधारा 435 व लोक सम्पति नुकसानी निवारण अधिनियम 1984 की धारा 04 कार्रवाई कर जेल भेज दिया गया।

असामाजिक तत्वों का रहता है जमावड़ा: जिला अस्पताल परिसर में पार्किंग व आसपास रात के समय असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता है। इस संबंध में पार्किंग ठेकेदार द्वारा समय समय पर शिकायत दर्ज कराई है। इसके बाद भी यह थमता नहीं दिख रहा। बताया जा रहा है कि यहां पर बदमाश किस्म के लोग शराब पीकर हुड़दंग करते हैं और पेट्रोलिंग टीमों की नजर इन पर नहीं पड़ती। नशे के आदि बदमाश वाहनों में आग लगा देते हैं और इसका खामियाजा पार्किंग ठेकेदार को भुगतना पड़ता है। जिला अस्पताल परिसर के आसपास पुलिस की पेट्रोलिंग तेज होनी चाहिए ताकि ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

पुरानी रंजिश के चलते युवक से मारपीट

रायपुर (ए.)। बीएसयूपी कालोनी तेलीबांधा में पुरानी रंजिश के चलते दो युवकों ने एक युवक से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर तेलीबांधा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी किशन महानंद 29 वर्ष डायमंड गली एक्सप्रेस वे के पास सिविल लाइन का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी बीएसयूपी कालोनी तेलीबांधा गया था, तभी आरोपी आरोपी तुसार निहाल अपने दोस्त के साथ आया और पुरानी रंजिश को लेकर प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर तेलीबांधा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 294, 506, 323, 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी

RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030

Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more

पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भारतीय बैग हाउस

फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता

VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER

कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि

128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स

विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।

Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357

Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

खास - खबर

पद्म विभूषण, पद्म भूषण एवं पद्म श्री पुरस्कार के लिए 18 जून 2024 तक ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कार श्रृंखला के तहत पद्म विभूषण, पद्म भूषण एवं पद्म श्री पुरस्कारों के लिए वर्ष 2025 हेतु पात्र व्यक्तियों से ऑनलाईन नामांकन प्रस्ताव ेजजचरूध्ध्ंूंतकेण्हवअण्पद पर आमंत्रित किया गया है। वर्ष 2025 में ''पद्म विभूषण, पद्म भूषण एवं पद्म श्री'' पुरस्कार प्रदान करने हेतु निर्धारित पात्रता एवं मापदण्ड के अनुरूप 18 जून 2024 तक आवेदन पत्र ऑनलाईन आमंत्रित किया गया है। पद्म पुरस्कार देश का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है।

यह पुरस्कार उत्कृष्ट कार्य करने वाले जैसे-कला, साहित्य और शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान और इंजीनियरिंग, सार्वजनिक मामलों, नागरिक सेवा, व्यापार और उद्योग आदि में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों सेवा के लिए प्रदाय किया जाता है, कोई भी व्यक्ति किसी जाति, व्यवसाय हैसियत या लिंग के भेदभाव के बिना इन पुरस्कारों के लिए पात्र हैं। नामांकन की प्रक्रिया एवं पद्म पुरस्कार से संबंधित अधिक जानकारी हेतु भारत सरकार की वेबसाईट पर उपलब्ध है। उप संचालक समाज कल्याण से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के निर्धारित पात्रता एवं मापदंड रखने वाले व्यक्ति को ऑनलाईन आवेदन कर जिला कार्यालय समाज कल्याण विभाग दुर्ग को आवेदन पत्र की प्रति उपलब्ध कराना होगा। अधिक जानकारी के लिए समाज कल्याण विभाग दुर्ग में कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।

रिसाली मैत्रीकुंज प्रभु प्राप्ती भवन में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधरोपण

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा रिसाली मैत्रीकुंज स्थित प्रभु प्राप्ती भवन में वृक्षारोपण कर विश्व पर्यावरण मनाया गया। सीनियर एनवायरमेंट साइंटिस्ट डॉक्टर अनीता सांवत ने वृक्षारोपण करने के बाद कहा की दुनिया भर के वैज्ञानिकों के अनुसार धरती पर अब ग्लोबल वार्मिंग समाप्त होकर ग्लोबल बॉयलिंग की शुरुआत हो चुकी है इसके प्रभाव से बचने के लिए हर एक व्यक्ति को एक पौधा लगाकर उसे वृक्ष बनने तक सुरक्षित करना होगा। तब ही हम आने वाली जनरेशन को बेहतर जीवन प्रदान कर सकेंगे। भिलाई सेवाकेंद्रों की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी जी ने वृक्षारोपण के पश्चात कहा की जून जुलाई का समय वृक्षारोपण के लिए सही समय है, थोड़ी सी सुरक्षा से बारिश और ठंड में फरवरी मार्च तक हमारा लगाया गया पौधा वृक्ष का स्वरूप ले लेता है। जिस प्रकार प्रकृति हमारी बच्चे के रूप में पालना करती है,हमें भी उसका रिटर्न एक पौधा लगाकर उसे बड़ा करना है,ये समय की मांग है, प्रकृति का विकराल रूप का असर विश्व के पर्यावरण में दिख रहा है।

लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन के लिए फाइनेंशियल परफॉर्मेंस पर संवाद कार्यक्रम

सीईओ अनिर्बान दास ने कहा- भिलाई की टीम जो ठान ले, उसे करती है हासिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इस्पात संयंत्र के बिजनेस एक्सीलेंस विभाग द्वारा, लार्ज ग्रुप इंटरेक्शन के लिए फाइनेंशियल परफॉर्मेंस पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन 03 जून 2024 को सिविक सेंटर स्थित कला मंदिर में किया गया। यह आयोजन संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस मौके पर संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने कहा कि भिलाई की टीम जो ठान ले, उसे हासिल कर लेती है। ङ्क्षङ्घङ्क योजना एक अनूठी योजना है जो किसी को विकसित करने, सोचने, अपने परफार्मेंस को रिफ्लेक्ट करने और आपके पैशन को फॉलो करने का समय देती है। उन्होंने कहा कि आपको सीएसआर गतिविधियों में शामिल होकर समाज से प्राप्त महत्वपूर्ण आवश्यकताओं के लिए समाज को कुछ वापस देने में भी अपना योगदान देना चाहिए। हमने लाभ कमाने के बारे में बात की ताकि हम सभी सामूहिक रूप से विकसित हों।

उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन के लिए लाभ कमाना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि हम संगठन को पूरी तरह से अपनाएं और संगठन के लिए लाभ कमाने की दिशा में काम करें। हमें सुरक्षा और गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और सबसे महत्वपूर्ण बात है कि हमें प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए उत्पादन की लागत को कम करने पर ध्यान देना चाहिए। प्रतिस्पर्धी बाजार में अग्रणी बने रहने के लिए हमे अपने उत्पादों की बेहतर क्वालिटी पर ध्यान केंद्रित करना होगा। हम अपने उत्पादों को अपनी दरों पर तभी बेच सकते हैं जब हम अधिक से अधिक स्पेशल ग्रेड के स्टील का उत्पादन करें और इन सेगमेंट में मार्केट लीडर बने। ऐसा करने से हम मार्केट में अपने उत्पादों का दर निश्चित कर सकते हैं।

संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता एवं उपस्थित सभी कार्यपालक निदेशकों ने संवाद सत्र में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दिए। जिसमें विगत वर्ष की चुनौतियों तथा वर्तमान वित्त वर्ष 2024-25 की योजनाओं, सुधारों, परियोजनाओं, तकनीकी आवश्यकताओं आदि के बारे में प्रश्न थे। उन्होंने प्रबंधन और कर्मचारियों के बीच संवाद बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा, कि हम प्रयास करेंगे कि आपके उपयुक्त सुझावों को लागू कर पाये और आगामी लक्ष्य की प्राप्ति कर सकें।

नर्धारित लक्ष्य, लाभ, चुनौतियों और उनके समाधान पर चर्चा

निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता एवं उपस्थित सभी कार्यपालक निदेशकों द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 के लिए विभिन्न क्षेत्रों में निर्धारित वित्तीय प्रदर्शन एवं कंपनी के लिए निर्धारित लक्ष्य, लाभ, चुनौतियों और उनके समाधान के बारे में चर्चा की गई। संवाद सत्र में संयंत्र के अधिकारियों ने विभिन्न विषयों पर प्रश्न किये, जिनका संयंत्र के निदेशक प्रभारी श्री अनिर्बान दासगुप्ता एवं कार्यपालक निदेशकों ने विषयों के अनुरूप और अनुकूल उत्तर दिये। इस संवाद कार्यक्रम का आयोजन फाइनेंशियल परफॉर्मेंस से सम्बन्धित सभी प्रभावी सूचनाओं को संयंत्र के अधिकारियों के साथ साथ कार्मिकों तक पहुँचाने के लिए किया गया।

कॉस्ट संबंधित हुए बहुत सारे सुधार

संवाद सत्र के दौरान वर्ल्ड स्टील सीनारियो, कोर एरिया प्रोडक्शन, प्रोडक्शन कॉस्ट, डिस्पैच तथा कॉस्ट सेविंग इनिशिएटिव, संयंत्र की वर्तमान क्षमता से संबंधित वित्तीय विषयों के प्रश्नों का जवाब देते हुए, निदेशक प्रभारी एवं कार्यपालक निदेशकों ने कहा, कि मई माह में हमने कॉस्ट संबंधित बहुत सारे सुधार किए हैं और सम्भावित क्षेत्र में इनिशिएटिव लेकर हम अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहे हैं। प्रश्नों का उत्तर देते हुए निदेशक प्रभारी एवं कार्यपालक निदेशकों ने कहा यह हमारी योग्यता पर निर्भर करता है कि भविष्य में भी हम सब मिलकर अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग करते हुए, आगामी वर्ष के लिए कॉस्ट रिडक्शन से निर्धारित लाभ के लक्ष्य को प्राप्त करें। ठेका श्रमिकों के कार्यशैली, कार्य की प्रकृति एवं उनकी सेफ्टी से संबंधित सवालों के जवाब में उच्च अधिकारियों ने सुरक्षा को सर्वोपरी बताते हुए कहा, कि कॉन्ट्रैक्ट सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम अभी प्रस्तावित है, जिसमें उन्हें सेफ्टी के साथ गुणवत्ता पूर्ण कार्य करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।

फाइनेंशियल परफॉर्मेंस पर दिया प्रस्तुतीकरण

सर्वप्रथम संचालनकर्ता ने आयोजन को प्रतिपादित करते हुए सम्पूर्ण कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण दिया। इसी क्रम में संयंत्र के मानव संसाधन विभाग के सहायक महाप्रबंधक तुषार रॉय चौधरी द्वारा डब्ल्यूओडब्ल्यू स्कीम पर, वित्त एवं लेखा विभाग के उप महाप्रबंधक एच एस गिलहरे तथा प्रबंधक अलंकार सम्मादार द्वारा फाइनेंशियल परफॉर्मेंस पर क्रमशः प्रस्तुतीकरण दिया गया। इसके साथ ही पीपीसी विभाग की ओर से कॉस्ट सेविंग इनिशिएटिव पर उप महाप्रबंधक (पीपीसी) प्रवीण तिवारी द्वारा प्रस्तुतीकरण दिया गया। स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड और भिलाई इस्पात संयंत्र हेतु वित्त वर्ष 2024-25 के लिए विभिन्न क्षेत्रों जैसे उत्पादन, अनुरक्षण तथा वित्तीय प्रदर्शन के लक्ष्यों पर चर्चा की गयी।

प्रेजेंटेशन के बाद संवाद सत्र का आयोजन

प्रस्तुतीकरण के बाद संवाद सत्र का आयोजन किया गया। इसके बाद संयंत्र के निदेशक प्रभारी और सभी कार्यपालक निदेशकगण ने प्रस्तुतीकरण और चर्चाओं पर आधारित क्लोसिंग रिमार्क देकर कार्यक्रम का समापन किया। एनुअल बिजनेस पर्सपेक्टिव में, सेल के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा 2024-25 में कंपनी के लिए निर्धारित लक्ष्य, चुनौतियों और उनके समाधान के बारे में चर्चा की गई। जिसमें विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारियों ने, संयंत्र के उच्च प्रबंधन से प्रत्यक्ष रूप से वित्त वर्ष 2024-25 की योजनाओं और वित्त वर्ष 2023-24 में आई चुनौतियों के साथ प्राप्त उपलब्धि पर बातचीत की। इस अवसर पर संयंत्र के कार्यपालक निदेशक अंजनी कुमार, एस मुखोपाध्याय, अजय कुमार चक्रवर्ती, एके पंडा, समीर स्वरुप, पवन कुमार, कार्यपालक निदेशक के रामाकृष्णा एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ एम रविन्द्रनाथ मंचासीन थे। इसके अतिरिक्त इस संवाद कार्यक्रम में भिलाई इस्पात संयंत्र के मुख्य महाप्रबंधकगण, महाप्रबंधकगण, ऑफिसर्स एसोसिएशन के पदाधिकारीगण, वरिष्ठ अधिकारीगण और विभिन्न यूनियन सहित एससी/एसटी एसोसिएशन के प्रतिनिधिगण मौजूद थे। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक (बीई) मनोज कुमार दुबे द्वारा दिया गया एवं कार्यक्रम का संचालन उप प्रबंधक (एचआरडी) सुष्मिता पाटला द्वारा किया गया।

गरीबों के लिए बहुत बड़ा सहारा है प्रधानमंत्री आवास योजना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में प्रधानमंत्री मंत्री आवास योजना अंतर्गत मकान का निर्माण हो रहा है जिसमें ऐसे हितग्राही जिनके पास मकान नहीं है बरसो से किराये के मकान में रहते है ऐसे समस्त हितग्राहियो को पात्रता एवं नियमानुसार प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मकान आबंटित नगर निगम भिलाई क्षेत्र में पुरी पारदर्शिता के साथ किया जा रहा है।

अभी तक नगर निगम भिलाई में अब तक कुल 1741 मकानो का आबंटन हितग्राहियो को किया जा चुका है वर्तमान में 3709 आवासों का आबंटन करने का लक्ष्य है जो प्रक्रिया में है। यह एक महत्वकांक्षी योजना है। प्रधानमंत्री आवास योजना में खम्हरिया के आबंटिती 55 वर्षिय कौशिल्या साहू ने बताया की सपने में भी हमने नहीं सोचा था कि मुझे ऐसा मकान मिलेगा जिसमे रहने का कमराए शौचालयए नहाने का बाथरूमए रसोई का कमरा अलग.अलग होगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत

अब तक भिलाई निगम क्षेत्र के जुनवानीए खम्हरियाए कुरूदए आम्रपाली के पीछे शांतिनगर एमें मकानो का निर्माण किया जा चुका है।

इन मकानो में आवासीय उपयोग की समस्त सुविधाएं पानीए बिजलीए शौचालय आदि उपलब्ध है। ऐसे मकान जो प्राईवेट कालोनीयो में महगें दरो पे मिलते है वह प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मात्र 3.25 लाख रु में उपलब्ध है। आवश्यकतानुसार बैंको के माध्यम से लोन की भी सुविधा उपलब्ध है। ग्राम खम्हरिया निवासी संतोषी बाई ताम्रकार ने बताया जब मैं घरो मे काम करने जाती थी तब सोचती थी मेरे भी भाग्य में भी ऐसा मकान होगा क्याए मैं खुस हु भले ही मेरा मकान साहब लोगो से छोटा है। नीचे गाड़ी रखने एवं बालकनी की सुविधाएं भी इसमे है जो उनके घरो में है। आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव प्रधानमंत्री आवास योजना का स्वत: संज्ञान लेते हुए औचक रूप से निर्माणाधीन स्थल पर पहुंच जाते है गुणवत्ता हो रहे काम आदि का निरीक्षण करते है सभी को यह भी दिशा निर्देश देते है कि मकान समय अवधि में पूर्ण हो जिससे हितग्राहियो को समय अवधि में मकान उपलब्ध हो सके। प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रभारी अधिकारी विद्याधर देवांगन का सभी हितग्राहियों से अपील है कि आपको जो लॉटरी द्वारा आवास आबंटन हुआ है उसका शेष बकाया राशि निगम कोष में शीघ्र जमा करें ताकि आपको जल्द से जल्द आबंटित आवास का चाबी दिया जा सके और आप किराये से निजात पा सके।

एलएलआरएम सेंटर में महिला समूह कर रही कचरे की रिसाइक्लिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत एलएलआरएम सेंटर पर प्रतिदिन घरो से निकलने वाले गीला एवं सूखा कचरे का एकत्रिकरण कार्य किया जा रहा है। उन कचरो कचरो को परिष्कृत कर अलग-अलग रूप में बांटा जाता है स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निकलने वाले कचरे को बेच दिया जाता है जिससे उनका आय होता है इसी के आमदनी से उनका घर चलता है , यही कचरा रिसाइकल के द्वारा पुनः वास्तु के रूप में हमारे सामने आ जाता है जिसे हम लोग पुन: उपयोग करते हैं हमारे इतने प्रयास से शहर साफ-सुथरा एवं स्वच्छ-सुन्दर बन जाएगा।

आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने निगम क्षेत्र में घरो से निकलने वाले गीला एवं सूखा कचरे को निगम के एस.एल.आर.एम. सेंटर यानी सॉलिड एंड लिक्विड रिसोर्स मैनेजमेंट में एकत्रिकरण करने के निर्देश दिये है। निगम क्षेत्र में 9 एलएलआरएम सेंटर बनाये गये है जिसमे जोन-01 क्षेत्र के नेहरू नगर रैश्ने आवास, राधिका नगर, 11वीं बटालियन के पास, पिली मिटटी चैंक, नेहरू नगर पूर्व में स्थापित है इसी प्रकार जोन-2 के ट्रेंचिंग ग्राउण्ड के पास, जोन-03

के मदर टेरेसा नगर संतोषी पारा, जोन-4 के आई.टी.आई. के पीछे कचरा एकत्रिकरण का कार्य जारी है। कचरे का संग्रहण कर मशीन के माध्यम से खाद बनाने का कार्य भी निगम द्वारा किया जा रहा है।

नगर निगम भिलाई, शहर में निवासरत नागरिको से अपील करती है की अपने घर से निकलने वाले गीला एवं सूखा कचरो को अलग-अलग डब्बो में डालकर निगम के कचरा एकत्र करने वाले टीम को दे। एक साथ सब प्रकार का कचरा डाल देने से बदबू फैलता है जिस शहर में प्रदूषण बढ़ता है हमारी माताएं बहने जब व्यापारी वर्ग बस इतना करें कि अपने घरों में दुकान दुकानों से निकलने वाले कचरे को अलग-अलग डब्बे में डालकर सफाई कर्मचारी को दिया करें ,जिससे कचरो का संग्रहण करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। एक छोटा सा प्रयास शहर को स्वच्छ बनाने में बहुत बड़ा सहयोग होगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर केंद्रित ड्राइंग एवं पेंटिंग स्पर्धा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इस्पात संयंत्र के शिक्षा विभाग द्वारा, 1 जून 2024 को भिलाई निवास में पर्यावरण जागरूकता हेतु ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्व पर्यावरण दिवस-2024 पर केंद्रित इस प्रतियोगिता का शीर्षक भूमि, जैव-विविधता एवं पर्यावरण का संरक्षण था। इस प्रतियोगिता में प्राइमरी, मिडिल एवं हायर सेकेंडरी व सीनियर सेकेंडरी

श्रेणियों में, विभिन्न बीएसपी विद्यालयों से लगभग 170 प्रतिभागियों ने भाग लिया। 5 जून 2024 को आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस समारोह में प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रत्येक श्रेणी में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं 3 सांत्वना पुरस्कारों से सम्मानित किया जायेगा। इस प्रतियोगिता में महाप्रबंधक (शिक्षा-टीएसडी) श्रीमती शिखा दुबे ने उपस्थित होकर सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। विभिन्न बीएसपी विद्यालयों के शिक्षकों ने इस ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता को सफल बनाने में अपना योगदान एवं सहयोग दिया।

पीसीबी प्लांट में सुरक्षा जागरूकता अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इस्पात संयंत्र द्वारा, अपने अत्याधुनिक पॉली क्लोरो बाइफिनाइल (पीसीबी) डिस्ट्रक्शन प्लांट में व्यापक सुरक्षा जागरूकता अभियान संपन्न हुआ। यह पहल बीएसपी में एक सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण को बनाए रखने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

28 मई 2024 से प्रारम्भ किए गए सुरक्षा जागरूकता अभियान का उद्देश्य सुरक्षा प्रोटोकॉल को सुदृढ़ करना और संयंत्र के कार्यबल के बीच सुरक्षा चेतना की संस्कृति को विकसित करना है। इस अभियान के अंतर्गत आयोजित किए जाने वाले कार्यकर्मों की श्रृंखला में शैक्षिक कार्यशालाएं, सुरक्षा ड्रिल और इंटरैक्टिव सत्र शामिल था। इस दौरान हानिकारक सामग्री के उचित संचालन एवं प्रबंधन, आपातकालीन प्रतिक्रिया, प्रक्रियाओं और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों के उपयोग जैसे आवश्यक सुरक्षा विषयों पर केंद्रित कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली कई ट्रेनें रद्द, सिकंदराबाद सेक्सन में तीसरी लाइन का होना है काम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली कई ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद रेल मण्डल के काजीपेट जं-बल्हारशाह सेक्शन के आसिफाबाद रोड-रेचनी रोड रेलवे स्टेशनों के बीच तीसरी रेलवे लाइन का कार्य जाएगा । यह कार्य दिनांक 17 जून से 06 जुलाई, 2024 तक विभिन्न तिथियों में किया जाएगा। यह नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के लिए कुछ गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा। इस कार्य के फलस्वरुप दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से एवं होकर चलने वाली कुछ गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा है। इसके कारण कई ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है और कई ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाया जा रहा है।

यह ट्रेनें रहेंगी रद्द

- 25 जून एवं 02 जुलाई, 2024 को बिलासपुर से चलने वाली 22619 बिलासपुर-तिरुनेलवेली जं. एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- 23 एवं 30 जून, 2024 को तिरुनेलवेली से चलने वाली 22620 तिरुनेलवेली-बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- 24 जून एवं 01 जुलाई, 2024 को बिलासपुर से चलने वाली 22815 बिलासपुर-एर्णाकुलम एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- 24 जून एवं 01 जुलाई, 2024 को बिलासपुर से चलने वाली 22815 बिलासपुर-एर्णाकुलम एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- 26 जून एवं 03 जुलाई, 2024 को एर्णाकुलम से चलने वाली 22816 एर्णाकुलम-बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- 26, 29 जून एवं 03, 06 जुलाई, 2024 को कोरबा से चलने वाली 22647 कोरबा-कोचुवेलि एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- 24, 27 जून एवं 01 एवं 04 जुलाई, 2024 को कोचुवेलि से चलने वाली 22648 कोचुवेलि-कोरबा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- 24 जून, 2024 को सिकंदराबाद से चलने वाली 07005 सिकंदराबाद-रक्सौल स्पेशल ट्रेन रद्द रहेगी। 27 जून, 2024 को रक्सौल से चलने वाली 07006 रक्सौल-सिकंदराबाद ट्रेन रद्द रहेगी।
- 26 जून, 2024 को सिकंदराबाद से चलने वाली 07007 सिकंदराबाद-रक्सौल स्पेशल ट्रेन रद्द रहेगी।
- 28 जून, 2024 को रक्सौल से चलने वाली 07008 रक्सौल-सिकंदराबाद स्पेशल ट्रेन रद्द रहेगी।
- 22 एवं 29 जून, 2024 को हैदराबाद से चलने वाली 07051 हैदराबाद-रक्सौल स्पेशल ट्रेन रद्द रहेगी।
- 25 जून एवं 02 जुलाई, 2024 को रक्सौल से चलने वाली 07052 रक्सौल-सिकंदराबाद स्पेशल ट्रेन रद्द रहेगी।
- 24, 26 जून एवं 01, 03 जुलाई, 2024 को पटना से चलने वाली 03253 पटना-सिकंदराबाद स्पेशल ट्रेन रद्द रहेगी।
- 26 जून एवं 03 जुलाई, 2024 को हैदराबाद से चलने वाली 07255 हैदराबाद-पटना स्पेशल ट्रेन रद्द रहेगी।
- 28 जून एवं 05 जुलाई, 2024 को सिकंदराबाद से चलने वाली 07256 सिकंदराबाद-पटना स्पेशल ट्रेन रद्द रहेगी।

यह ट्रेनें चलेंगी दूसरे रूट से

22 जून एवं 05 जुलाई, 2024 को विशाखापटनम से चलने वाली 20805 विशाखापटनम-नई दिल्ली एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग विशाखापटनम-वियजयवाड़ा-रायगढ़-टिटलागढ़-रायपुर-नागपुर होकर रवाना होगी। 22 जून एवं 05 जुलाई, 2024 को नई दिल्ली चलने वाली 20806 नई दिल्ली-विशाखापटनम एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग विशाखापटनम-वियजयवाड़ा-रायगढ़-टिटलागढ़-रायपुर-नागपुर होकर रवाना होगी। 27 जून एवं 04 जुलाई, 2024 को विशाखापटनम से चलने वाली 20803 विशाखापटनम-गांधीधाम एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग विशाखापटनम-वियजयवाड़ा-रायगढ़-टिटलागढ़-रायपुर-नागपुर होकर रवाना होगी।

इसी प्रकार 23 एवं 30 जून, 2024 को गांधीधाम से चलने वाली 20804 गांधीधाम-विशाखापटनम एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग विशाखापटनम-वियजयवाड़ा-रायगढ़-टिटलागढ़-रायपुर-नागपुर होकर रवाना होगी। 23 एवं 30 जून, 2024 को पूरी से चलने वाली 20819 पूरी-ओखा एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग विशाखापटनम-वियजयवाड़ा-रायगढ़-टिटलागढ़-रायपुर-नागपुर होकर रवाना होगी। 26 जून एवं 03 जुलाई, 2024 को ओखा से चलने वाली 20820 ओखा-पूरी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग विशाखापटनम-वियजयवाड़ा-रायगढ़-टिटलागढ़-रायपुर-नागपुर होकर रवाना होगी। इसके अलावा 24, 28 जून एवं 01, 05 जुलाई, 2024 को विशाखापटनम से चलने वाली 12803 विशाखापटनम-निज़ामुद्दीन एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग विशाखापटनम-वियजयवाड़ा-रायगढ़-टिटलागढ़-रायपुर-नागपुर होकर रवाना होगी। 23, 26, 30 जून एवं 03 जुलाई, 2024 को निज़ामुद्दीन से चलने वाली गाड़ी संख्या 12804 निज़ामुद्दीन-विशाखापटनम एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग विशाखापटनम-वियजयवाड़ा-रायगढ़-टिटलागढ़-रायपुर-नागपुर होकर रवाना होगी। दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल में एनएचएस लांचिंग हेतु ब्लॉक के कारण कुछ गाडियों का परिचालन प्रभावित रहेगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950